दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर, बीकानेर, सवाई माधोपुर एवं अजमेर

RNI NO. RAJHIN/2010/35060

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 16 | अंक : 103 | पृष्ठ : 10 | मूल्य : ₹ 2.00

जयपुर। शनिवार 14 फरवरी 2026 । फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष द्वादशी, संवत्-2082

भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

एमएलए सराफ ने डिप्टी सीएम को कहा- कितने साल लगेंगे

बोले- दो साल गुजर गए, निजी विश्वविद्यालयों के लिए नियामक आयोग बनाने की तारीख तो बताओ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने डिप्टी सीएम और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा को विधानसभा में घेरने का प्रयास किया। सराफ ने पूरक सवाल करते हुए बैरवा से कहा- दो साल हो गए नियामक आयोग कब तक बनाओगे। दो साल से प्रक्रियाधीन है और कितने साल लगेंगे, तारीख तो बताओ। सराफ ने निजी विश्विद्यालयों पर नियंत्रण के लिए नियामक आयोग बनाने में देरी के मामले में यह शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में कहा। कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में प्रेमचंद बैरवा ने कहा- निजी विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण के लिए नियामक आयोग बनाने का प्रस्ताव नीतिगत निर्णय का हिस्सा है। इसका प्रारूप तैयार कर जल्दी भिजवाया जाएगा। यह नीतिगत निर्णय है। विधि विभाग में भेजने के बाद कैबिनेट में जाएगा। फिर फैसला होगा, हम जल्दी कर देंगे। सराफ ने फिर कहा कि दो साल हो गए हैं, फिर कब तक करोगे?

बैरवा और नेता प्रतिपक्ष के बीच नोकझोंक-वहीं निजी विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण के लिए नियामक आयोग बनाने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष और डिप्टी सीएम बैरवा के बीच नोकझोंक हो गई। नेता प्रतिपक्ष ने जब सवाल उठाया तो बैरवा ने कहा- वर्ष 2015 में वसुंधरा सरकार के समय जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय जोधपुर को फर्जी डिग्रियों के मामले में कार्रवाई की। आपने अपने राज में 5 साल में एक भी यूनिवर्सिटी की जांच करवाई हो तो बताइए हमने 10 यूनिवर्सिटी की जांच कराई है। गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई की है। आप कुछ करते नहीं हो। हमने किया है। हमने करके दिखाया है।

10 निजी विश्वविद्यालयों के खिलाफ गड़बड़ियों की शिकायत के बाद जांच- कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में बैरवा ने कहा- प्रदेश में कुल 53 निजी विश्वविद्यालय हैं। प्रदेश के 10 निजी विश्वविद्यालयों के खिलाफ गड़बड़ियों की शिकायतें मिलने के बाद इनकी जांच के

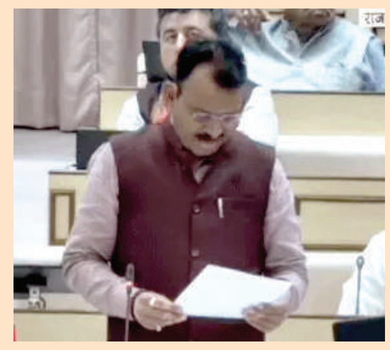

आदेश दिए गए हैं। इनमें ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू, सिंघानिया विश्वविद्यालय झुंझुनूं, सनराइज विश्वविद्यालय अलवर, श्रीधर विश्वविद्यालय झुंझुनूं, मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़, माधव विश्वविद्यालय सिरोही, रैफल्स विश्वविद्यालय अलवर, निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर और जगदीश झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय झुंझुनूं के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए।

चांदी दो दिन में 24 हजार सस्ती हुई

एक किलो चांदी 2.42 लाख पर आई, सोना आज 2,885 गिरकर 1.53 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के दाम में 13 फरवरी को लगातार दूसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 16,700 रुपए कम होकर 2,42,433 रुपए पर आ गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 2,59,133 रुपए किलो थी। वहीं 2 दिन में इसकी कीमत 24 हजार रुपए गिर चुकी है। 11 फरवरी को चांदी 2,66,449 रुपए किलो पर थी। वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,885 रुपए गिरकर 1,52,765 रुपए पर आ गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 1,55,650 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

44 दिन में सोना 19,570 और चांदी 12,013 महंगी हुई-इस साल अब तक सोने की कीमत 19,570 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,52,765 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 12,013 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,42,433 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

आरजीएचएस में फर्जीवाड़ा करने वाले 7 डॉक्टर सस्पेंड

प्राइवेट सेंटर को फायदा पहुंचाने के लिए की गड़बड़ी; बिना जरूरत जांचें की गई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान गर्वमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में फर्जीवाड़ा करने और सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के मामले में 7 डॉक्टर्स को सस्पेंड किया है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को आरजीएचएस परियोजना निदेशक की अनुशंसा पर इन डॉक्टर्स पर एक्शन लिया है। ये सभी डॉक्टर सीकर मेडिकल कॉलेज से अटैच हॉस्पिटल और सीकर में ही पीएचसी-सीएचसी पर नियुक्त है। इसमें मेडिकल कॉलेज से अटैच हॉस्पिटल के अधीक्षक भी हैं। सूत्रों के मुताबिक आरजीएचएस की परियोजना निदेशक डॉ. निधि पटेल ने मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट को अनुशंसा की थी। जांच में इन डॉक्टर्स के खिलाफ प्राइवेट डायग्नोसिस सेंटर को फायदा पहुंचाने के लिए की गई गड़बड़ी का जिक्र किया है।

इन डॉक्टर्स को किया सस्पेंड

सीकर मेडिकल कॉलेज से अटैच अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कमल कुमार अग्रवाल, सह आचार्य डॉ. सुनील कुमार ढाका, डॉ. मुकेश वर्मा के अलावा सीकर के एसके हॉस्पिटल के डॉ. गजराज सिंह, डॉ. एस.एस. राठौड़, डॉ. सुनील शर्मा और सीकर के किरवा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त डॉ. राकेश कुमार को निलंबित किया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया- जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में यह सामने आया कि कुछ मरीजों के लिए HbA1c, RA Factor, Procalcitonin जैसी जांचे बताई गई, जबकि रिकॉर्ड में इसका कारण स्पष्ट नहीं था।

प्रधानमंत्री कार्यालय की नई इमारत सेवा तीर्थ का उद्घाटन

पीएम बोले : नॉर्थ-साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक; गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय का पता शुक्रवार से बदल गया है। नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए पीएम ऑफिस सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 व 2 का उद्घाटन किया। पीएम ऑफिस अब तक साउथ ब्लॉक में था। पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। ये भवन ब्रिटेन के महाराज की सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। हमें गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। पीएम ने कहा- दिल्ली की इमारतों में ऐतिहासिक स्थलों पर गुलामी के चिन्ह भरे पड़े हैं। आजाद भारत में जो सैनिक शहीद हुए, यहां उनके लिए कोई स्मारक नहीं था। 2014 में देश ने तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।

सेवा तीर्थ पर लिखा है- नागरिक देवो भव

स्पीच से कुछ देर पहले प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स की पट्टिका का अनावरण किया। दीवार पर'सेवा तीर्थ' के नीचे 'नागरिक देवो भव' लिखा गया है। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।

सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें

सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में पीएमओ है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में एनएससीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कैबिनेट सचिवालय सितंबर 2025 में ही सेवा तीर्थ-2 में शिफ्ट हो चुका है। आज पीएमओ के साथ एनएससीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का ऑफिस भी यहां शिफ्ट हो गया है। पीएम आज कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन भी करने वाले हैं। यहां मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। पहले नॉर्थ ब्लॉक मंत्रालयों का ठिकाना था। पीएमओ और मंत्रालयों का पता 13 फरवरी को बदला है। 1931 में इसी दिन नई दिल्ली का भारत की आधुनिक राजधानी के रूप में उद्घाटन हुआ था।

पीएम ने कई फाइलों पर साइन किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए पीएमओ कॉम्प्लेक्स 'सेवा तीर्थ' में महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े अहम फैसलों की फाइलों पर साइन किए। सरकार के अनुसार, इन फैसलों का उद्देश्य इन वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री ने पीएम राहत योजना से जुड़ी फाइलों पर भी साइन किए। इस पहल के तहत, एक्सीडेंड पीड़ितों को ?1.5 लाख तक का कैशलेस ट्रीटमेंट मिलेगा, जिससे उनके इलाज में देरी न हो। साथ ही लखपति दीदी योजना का लक्ष्य दोगुना कर 3 करोड़ से छह करोड़ करने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष के आवंटन को 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी दी है।

58 साल की शादी को तोड़ने से हाईकोर्ट का इनकार

कहा- मामूली अनबन, झगड़े सबके होते हैं; तलाक मंजूर करने से पूरा परिवार आहत होगा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 75 साल से अधिक आयु के दंपती की 58 साल पुरानी शादी को तोड़ने से इनकार करते हुए अहम टिप्पणी की है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अनिल कुमार उपमन की खंडपीठ ने पति की अपील खारिज करते हुए कहा कि वैवाहिक जीवन में मामूली अनबन, झगड़े और उतार-चढ़ाव को तलाक के लिए क्रूरता का आधार नहीं माना जा सकता।

अदालत ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर तलाक की मंजूरी से न केवल पत्नी, बल्कि पूरे परिवार की गरिमा और प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। कोर्ट ने यह आदेश फैमिली कोर्ट, भरतपुर के आदेश के खिलाफ दायर पति की अपील को खारिज करते हुए दिया।

पति का तर्क- झूठी एफआईआर कराई दर्ज

पति की ओर से तलाक याचिका और अपील में कहा गया था कि पत्नी ने उसके खिलाफ 2014 में दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कराया। जिसे झूठा मानते हुए पुलिस ने एफआर लगा दी थी। हालांकि इस झूठे मुकदमे से उसे बदनामी और अपमान का सामना करना पड़ा। वहीं पत्नी उनकी अचल संपत्ति केवल बड़े बेटे के नाम ट्रांसफर करना चाहती है। जबकि वह इस संपत्ति को अपने दोनों बेटों में बराबर बांटना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पत्नी वास्तव में बड़े बेटे के प्रभाव में है और उसके साथ खुशी से रह रही है, लेकिन वह उनकी परवाह नहीं करती और उनके लिए दो वक्त का खाना भी नहीं बनाती। पति ने कहा कि पत्नी उस पर अन्य महिलाओं से अवैध संबंध के आरोप भी लगाती है।

46 सालों तक वैवाहिक जीवन से शिकायत नहीं

अदालत ने कहा कि दंपती की शादी 29 जून 1967 को हुई थी। इन्होने साल 2013 तक बिना किसी शिकायत के अपना वैवाहिक जीवन साथ-साथ बिताया। इस बात को पति ने खुद 26 मई 2014 को फैमिली कोर्ट,भरतपुर में दायर तलाक याचिका में स्वीकार भी किया। ऐसे में हमारी राय में जब तलाक की याचिका दायर करने से पहले पति-पत्नी लगभग 46 सालों से अधिक समय तक बिना किसी शिकायत के अपना वैवाहिक जीवन साथ बिता चुके हों, तो यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इतने सालों और उनकी बढ़ती आयु के साथ उनकी मानसिक सहनशीलता और समझ का स्तर भी अवश्य बढ़ा होगा।

नई सीपीआई सीरीज से राहत के संकेत महंगाई दर 4% से नीचे रहने की उम्मीद

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई सीरीज में भी महंगाई दर 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे रहने की उम्मीद है। यह नई सीरीज भारत में लोगों के बदलते खर्च के तरीके को बेहतर ढंग से दिखाएगी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार नीति बनाने में मदद करेगी। शुक्रवार को जारी बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। बीओबी की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य महंगाई (कोर इंफ्लेशन) पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का खतरा बना रहता है। हालांकि, नई सीरीज में अलग-अलग चीजों का संतुलित महत्व (वेटेज) रखा गया है, जिससे महंगाई 4+/-2 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है।

एफटीए से बदला भारत का वैश्विक व्यापार मॉडल : पीयूष गोयल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत द्वारा हाल में किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए), खासकर अमेरिका के साथ हुआ अंतरिम व्यापार समझौता, देश के वैश्विक व्यापार दृष्टिकोण में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं।

किसानों के हितों की पूरी रक्षा का दावा

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट (जीबीएस) 2026' में बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट था कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में देश आत्मनिर्भर है और उत्पादन अधिक है, उन्हें समझौते से बाहर रखा गया है। गोयल ने कहा कि स्थानीय कृषि उत्पादों के 95% से अधिक हिस्से की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

कपड़ा क्षेत्र को मिलेगा वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अवसर

मंत्री ने कहा कि लंबे समय से यह सवाल उठता रहा है कि भारत का कपड़ा क्षेत्र अपेक्षित गति से विकास क्यों नहीं कर पा रहा था। उन्होंने बताया कि भारत वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। कपड़ा क्षेत्र यूरोप के लिए बिना शुल्क के खुला है और अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया है। इससे भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते के तहत भारत को वस्त्र निर्यात में वही लाभ मिलेंगे, जो बांग्लादेश को अपने समझौते के तहत मिले थे।

भरोसे और पारदर्शिता पर आधारित एफटीए

गोयल ने कहा कि एफटीए स्पष्ट ढांचे पर आधारित होते हैं, जिनमें विश्वास, पारदर्शिता और समयबद्ध निश्चितता शामिल होती है। उन्होंने भारत-ईएफटीए समझौते का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत व्यापार साझेदारी के स्वरूप को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से आर्थिक मजबूती

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' को मिशन मोड में आगे बढ़ा रहे हैं। गोयल ने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

महान वीर महाराजा सूरजमल की प्रतिमा संसद भवन में स्थापित कर उन्हें भारत रत्न दिया जावे : विश्वेंद्र सिंह

- पास्ता में पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह सिंह ने महाराजा सूरजमल की प्रतिमा का किया अनावरण
- महाराजा सूरजमल की जीवनी को केंद्रीय पाठ्यक्रम में शामिल करने की रखी मांग

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। डीग जिले के गांव पास्ता गांव में आयोजित समारोह में महान वीर महाराजा सूरजमल की 320वीं जयंती पर शुक्रवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जैन समूह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि महाराजा सूरजमल ने सभी 36 कोमो को साथ में लेकर मुगल सेना के दांत खट्टे करते हुए दिल्ली फतह की। महान योद्धा महाराजा सूरजमल ने अपने जीवन में 80 युद्ध लड़े और सभी युद्धों में उन्होंने अजेय रह कर विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा जिस प्रकार महान वीर राणा प्रताप की प्रतिमा संसद में स्थापित है। मेरी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री विजय लाल शर्मा से आग्रह किया कि महाराजा सूरजमल भी महान वीर थे उनकी भी प्रतिमा संसद भवन में स्थापित कराई जावे।

महाराजा सूरजमल ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए भारी योगदान दिया इसके लिए उन्होंने भारत सरकार से महाराजा सूरजमल को भारत रत्न देने कीमांग की।

पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल की लत का शिकार होकर अपने पुरखों के इतिहास, सनातन और सामाजिक मूल्यों को भूलती जा रही है। आज कोई भी युवा खेती नहीं करना चाहता। उन्होंने दुख जताया कि आज जाट समाज के युवाओं को भरतपुर रियासत के महाराजाओं के नाम तक याद नहीं है ,जबकि राजपूत समाज के युवाओं को अपने सभी पुरखों के नाम याद है। उन्होंने सरकार से महाराजा सूरजमल की जीवनी को केंद्रीय पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की।

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने पास्ता गांव के विकास को लेकर बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस संबंध में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से बात कर बजट में किए गए प्रावधानों के बारे में बात की है। उन्होंने गांव वासियों से कहा कि आप तो बताओ क्या विकास कार्य कराने है में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम और सांसद संजना जाटव से गांव के लिए बजट स्वीकृत करवा दूंगा।

उन्होंने मानवेंद्र सिंह द्वारा अपनी निजी आय से गांव पास्ता में करीब 15 लाख रुपए की लागत से महाराजा सूरजमल की प्रतिमा स्थापित करने के लिए उनका आभार जताया।

कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि केशव पास्ता,पूर्व सरपंच पीतम सिंह, चंद्रपाल लंबरदार बहज सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित थे।

22 से 28 फरवरी तक लगेगा विशाल राजसखी मेला, प्रदेशभर के 100 से अधिक उत्पाद मिलेंगे

जिला कलक्टर ने लॉन्च किए एसएचजी द्वारा तैयार विशेष गिफ्ट हैम्पर, आमजन से सहभागिता की अपील

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। ये हाथ हैं राजसमंद की राजीविका की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के जिन्होंने अपने सपनों को भी गुलाल की तरह बारीक पीसकर उम्मीद के रंगों में बदल दिया है, और अब ये रंग राजीविका के माध्यम से घर-घर पहुँचने को तैयार हैं।

कभी घर की देहरी तक सीमित रहीं ये महिलाएं आज नीम की पत्तियों, गुलाब की पंखुड़ियों, सीताफल और पलाश के फूलों से हर्बल गुलाल तैयार कर रही हैं। ये सिर्फ रंग नहीं है यह उनकी मेहनत, आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक है। हर कण में प्रकृति की सौंधी महक है, हर पैकेट में एक परिवार की मुस्कान।

केमिकल से मुक्त ये गुलाल त्वचा को नहीं, रिश्तों को रंगता है। इस होली, चुनिए ऐसा रंग जो प्रकृति से जुड़ा हो, जो सुरक्षित हो, जो स्वदेशी हो। इस होली, रंगों के साथ आत्मनिर्भरता भी घर लाइए। इसमें महिला सशक्तिकरण भी है तो वॉकल फॉर लोकल का संकल्प भी।

राजीविका और जिला प्रशासन राजसमंद के संयुक्त तत्वावधान में राजसखी मेले का आयोजन 22 से 28 फरवरी 2026 तक द्वारकेश वाटिका में किया जा रहा है। यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं, बल्कि महिला स्वावलंबन, स्थानीय हुनर और आत्मनिर्भर राजस्थान का उत्सव होगा। शुक्रवार को जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने जिला परिषद सभागार में राजीविका एसएचजी द्वारा तैयार चार विशेष गिफ्ट हेम्पर को लॉन्च किया। जिला परियोजना प्रबंधक डॉ सुमन अजमेरा ने बताया कि 500 रुपए के गिफ्ट हैम्पर में 5 गुलाल, 1 चकली, 1 मठड़ी, 1 ठंडाई, 1 हर्बल सोप, गुलाब शर्बत, गुलाबजल आकर्षक जुट के बैग में दिए जाएंगे। इसी तरह 300 रुपए के गिफ्ट हैम्पर में 4 हर्बल गुलाल, 1 चकली, 1 गुलाब शर्बत, 1 बैंगन टीका, 1 साबुन जुट के आकर्षण बेग में दिए जाएंगे।

इसी प्रकार 200 रुपए के गिफ्ट हेम्पर में जुट के बेग में चार हर्बल गुलाल और 70 रुपए के गिफ्ट हैम्पर में दो हर्बल गुलाल के पैकेट दिए जाएंगे। जिला कलक्टर ने गिफ्ट हेम्पर लॉन्च करते हुए आमजन से राजसखी मेले में परिवार सहित पधार कर लाभ लेने और गिफ्ट हेम्पर खरीद कर अपनों को उपहार देने की अपील की है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। समेजा मण्डल के युवा नेता हरविंदर सिंह पन्नू (40 पीएस) ने अपने मण्डल के कार्यकर्ताओं एवं साथियों के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरविंदर सिंह पन्नू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारतीय राजनीति को विचारों की स्पष्टता, नैतिकता और सेवा की भावना से जोड़ा। उन्होंने 'एकात्म मानववाद' का दर्शन देकर राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने का सशक्त साधन बताया।

गौ सेवा को सनातन संस्कृति में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है : इंद्रेश उपाध्याय

जटेरी धाम में उमड़ा श्रद्धा का सागर, गौचारण लीला व ब्रज होरी से गूंजा धाम

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। श्री कृष्ण लीला स्थली जटेरी धाम में आयोजित श्री निकुंज विलास रस महोत्सव एवं श्रीमद्भगवद् रस चर्चा के सप्तम दिवस पर शुक्रवार को भक्ति, श्रद्धा और ब्रजरस की अविरल धारा प्रवाहित हुई। प्रात:कालीन कार्यक्रम की शुरुआत महंत विपिन बिहारी दास महाराज के सानिध्य में गौपूजन से हुई। इस अवसर पर कथा व्यास इंद्रेश उपाध्याय महाराज को ग्वाल स्वरूप में सजाकर जटेरी धाम स्थित गौशाला में गौमाताओं का विधिवत पूजन कराया गया। वेद मंत्रों और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने गौसेवा कर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। पूरा वातावरण गोमाता की जय और राधे-राधे के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

गौपूजन के पश्चात व्यास पीठ से इंद्रेश उपाध्याय महाराज ने सप्तम दिवस की कथा का प्रारंभ करते हुए प्रभु श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि में की गई गौचारण लीला का अत्यंत भावपूर्ण और जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बालकृष्ण अपने सखा-संग गोधन के साथ वन-वन विहार करते थे और ब्रजवासियों के जीवन में आनंद और उत्साह का संचार करते थे। मैय्या री, मैं गौ चरावे जाऊं, हलधर संग ले जाऊंज जैसे मधुर पदों के गायन से समूचा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालु झूमते हुए भक्ति में तल्लीन नजर आए।

कथा के दौरान व्यास उपाध्याय ने वेणु गीत का अत्यंत सरल, सरस और लीला-कृत शैली में विस्तार से वर्णन किया। श्रीमद्भागवत के प्रसंगों को अध्याय सहित विशेष ब्रज भाषा में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि गोपाष्टमी पर्व का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व क्या है तथा गौसेवा को सनातन संस्कृति में सर्वोच्च स्थान क्यों प्राप्त है। उनके ओजस्वी और भावपूर्ण प्रवचनों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महंत विपिन बिहारी दास ने बताया कि सप्तम दिवस पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आगमन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित था। लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे उपस्थित नहीं हो सके, किंतु उन्होंने अपने प्रतिनिधि के माध्यम से संदेश भेजकर न आ पाने की क्षमा प्रार्थना की तथा शीघ्र ही जटेरी धाम आने का आश्वासन दिया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने महंत विपिन बिहारी दास महाराज द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय महोत्सव और श्रीमद्भागवत कथा रस चर्चा की सराहना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जटेरी धाम जैसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यहां के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

कथा का समापन ब्रज की होरी के साथ अत्यंत उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

महोत्सव के सफल समापन पर महंत विपिन बिहारी दास महाराज ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि शनिवार को प्रात: 11 बजे श्री राधा कुंज बिहारी लाल जी महाराज के प्रांगण जटेरी धाम में विशाल प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

पेंशन सत्यापन में राजसमंद प्रदेश में प्रथम, कलक्टर ने कार्मिकों का किया सम्मान

हर पात्र नागरिक तक सरकारी सेवाओं की पहुँच रहे प्राथमिकता :कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। गरीब, बेसहारा एवं जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका अधिकार दिलाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा द्वारा चलाए किए गए विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में समीक्षा बैठक के पश्चात विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं पालनहार योजना सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उपखंड अधिकारियों, विकास अधिकारियों, सीबीईओ और नगर निकायों के ईओ का सम्मान किया गया।

जिला कलक्टर ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं पालनहार योजना सत्यापन में जिले का प्रदेश में प्रथम स्थान होने पर सभी को बधाई दी और आगे भी इसी तरह जन सेवा की दिशा में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

दरअसल जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा के नेतृत्व में जनवरी माह में प्रशासनिक हल्के में एक विशेष प्रण लिया गया था, जिसमें सुशासन का संदेश देते हुए पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन एवं एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का इसी माह अनिवार्य रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए थे। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार सभी अधिकारियों ने तत्परता से कार्य करते हुए निरंतर समीक्षा की। विकास अधिकारियों एवं तहसीलदारों के माध्यम से प्रगति की मॉनिटरिंग की गई। परिणामस्वरूप राजसमंद जिला राज्य स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा। इस उपलब्धि पर जिला कलक्टर ने पूरी टीम को श्रेय देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, उपखण्ड अधिकारी राजसमन्द बृजेश गुप्ता, उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ मोहकम सिंह, उपखण्ड अधिकारी नाथद्वारा रक्षा पारीक, उपखण्ड अधिकारी रेलमगरा बिन्दूबाला राजावत, उपखण्ड अधिकारी आमेट गोविन्द सिंह रत्नू, उपखण्ड अधिकारी कुम्भलगढ़ साक्षी पुरी, उपखण्ड अधिकारी भीम विकास शर्मा, विकास अधिकारी भीम कृष्ण मुरारी छलीया, विकास अधिकारी देवगढ़ / आमेट गुलाब गुर्जर, विकास अधिकारी रेलमगरा मामराज मीणा, विकास अधिकारी राजसमन्द, विकास अधिकारी कुम्भलगढ़ मांगीलाल, विकास अधिकारी खमनोर हनुवीर सिंह, विकास अधिकारी देलवाड़ा नवीन गौड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हेमन्त कुमार बिन्दल, पीएमओ रमेश रजक को सम्मानित किया गया।

श्री ओंकारेश्वर महादेव प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने दी हवन आहुतियां

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा क्षेत्र की देवपुरा पंचायत के निचली मियारी गांव में आयोजित श्री ओंकारेश्वर महादेव प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन सुबह से ही यज्ञ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ, जिसमें वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं। पूरा पंडाल मंत्रोच्चार और जयकारों से गूंज उठा। दूसरे दिन आयोजित नानी बाई का मायरा कथा महोत्सव में कथा वाचक श्री व्यास जी ने भावपूर्ण शैली में कथा का वर्णन किया। उन्होंने नानी बाई की भगवान के प्रति अटूट आस्था, समर्पण और विश्वास का मार्मिक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि यह कथा जीवन में श्रद्धा और भक्ति का संदेश देती है।धार्मिक आस्था और भक्ति से ओतप्रोत 'नानी बाई का मायरा' कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान भक्ति और भावनाओं का ऐसा संगम देखने को मिला कि कई श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।कथावाचक ने दूसरे दिन वह मार्मिक प्रसंग सुनाया जिसमें नानी बाई की निर्धनता, समाज की तिरस्कारपूर्ण बातें और भगवान पर अटूट विश्वास का वर्णन किया गया। बताया गया कि जब मायरा भरने की चिंता ने परिवार को घेर लिया, तब नानी बाई ने पूरे विश्वास के साथ भगवान को स्मरण किया।

कथा में वर्णन आया कि सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार मायरा भरना सम्मान का विषय माना जाता था, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार चिंतित था। ऐसे कठिन समय में नानी बाई ने ईश्वर पर भरोसा रखा और अंतत: भगवान ने स्वयं प्रकट होकर मायरा भरा। यह प्रसंग सुनते ही पांडाल जय श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।

कथावाचक ने कहा कि यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है।

कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ, जिसमें श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

वजन और कोलेस्ट्रॉल कम करने में अरहर दाल का मुख्य योगदान : डॉ लियाक़त अली मंसूरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। अरहर (तुअर) की दाल प्रोटीन, फाइबर, और आयरन से भरपूर एक मुख्य भारतीय आहार है । यह हल्के भोजन के रूप में प्रयोग किया जाता हैं । है। लेकिन अत्यधिक सेवन करने से नुक़सान भी हो सकते हैं ।

औषधीय फायदे

1. प्रोटीन और पोषण—यह शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत है, जो मांसपेशियों के विकास में सहायक है।साथ ही इसमें आयरन की भरपूर मात्रा होती हैं जो खून की कमी को पूरा करने में सहायक है एवं इसके पत्तों को चबाने से मुँह के छालों में और मसूढ़ों की सूजन कम करता हैं ।

2. वजन प्रबंधन —इस अरहर दाल में लो-कैलोरी और उच्च फाइबर होने के कारण पेट को लंबे समय तक भरा रखती है, जिससे ओवर डाइटिंग नहीं होती।

3. हृदय स्वास्थ्य—इसमें संतृप्त वसा कम होती है और यह कोलेस्ट्रॉल रहित होती है, जो हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को कम करती है।

4. पाचन में सहायक—दाल के उच्च फाइबर मल को नरम करता है, कब्ज दूर करता है और पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

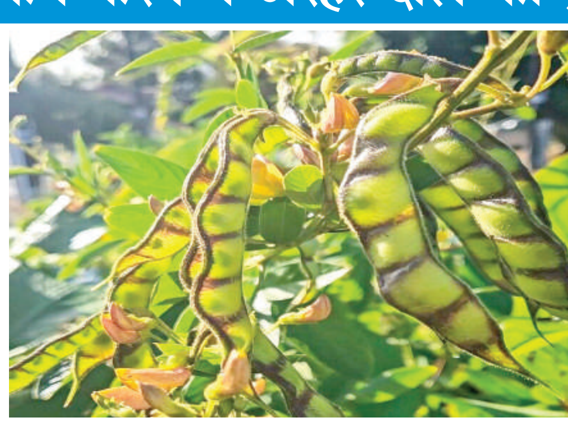

5.शुगर कंट्रोल—अरहर दाल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है जो मधुमेह के मरीजों के लिए अच्छा माना जाता है।

6. दर्दनिवारक और ऊर्जा—यह शरीर में ऊर्जा बनाए रखने और दिन भर की थकान को दूर करने में सहायक है। कच्चे पत्तों और हरी दूब का रस निकाल कर सूंघने से माइग्रेन जैसे सिर दर्द में आराम मिलता है ।

7. जीवाणुरोधी गुण—आंतरिक अंगों की सूजन को कम करता है ।

8. घाव खुजली—अरहर की कोमल पत्तियों को पीसकर घाव पर लगाने से घाव जल्दी ठीक हो जाते हैं । पत्तों को जला कर उसकी राख को दही में मिलाकर खुजली वाली जगह पर लगाने से आराम मिलता हैं ।

अरहर दाल से होने वाले नुकसान

1. किडनी की समस्या—इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए किडनी के मरीजों को इसके सेवन से परहेज करना चाहिए।

2. यूरिक एसिड—दाल में हाई प्रोटीन होने के कारण यूरिक एसिड के मरीजों को इसका सेवन सीमित करना चाहिए।

3. पाचन संबंधी विकार—यह पचने में समय ले सकती है, जिससे रात के समय सेवन करने पर गैस, पेट दर्द या एसिडिटी हो सकती है।

4. एलर्जी—कुछ व्यक्तियों को अरहर की दाल से एलर्जी हो सकती है।

सावधानी और सुझाव—

1. पाचन की समस्याओं से बचने के लिए इसे रात में खाने से बचना चाहिये ।

2. अगर आपको किडनी या यूरिक एसिड की समस्या है, तो यूनानी चिकित्सक की सलाह पर ही इसका सेवन करें।

3. इसे पकाने से पहले रात भर भिगोना या अच्छी तरह से पकाना पाचन के लिए बेहतर है।

4. क्योंकि इससे एसिड बनता है इसलिये इसे रात के समय नहीं खाना चाहिए ।

डॉ लियाक़त अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी विशेषज्ञ)
सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर (राज.)

समेजा थाने में सीएलजी सदस्यों की मीटिंग हुई

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। समेजा कोठी आरपीएस प्रियंका ने समेजा कोठी थाने में सीएलजी सदस्यों की मीटिंग ली।मीटिंग में सदस्यों को नशे की रोकथाम के लिए जागरूकता लाने की सलाह दी,साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही।सदस्यों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी भी दी गई।प्रशिक्षु प्रियंका ने सड़क पर चलने के नियम बताए व आमजन को दुपहिया वाहन पर हेलमेंट पहनने की आवश्यकता को बताया।इसी समय सड़क पर गुजर रहे कई वाहन चालकों से ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए समझाइश की गई।कई वाहन चालक जो लापरवाही को अनदेखा करते दिखे उनके चालान भी किए गए।मीटिंग में सभी सीएलजी सदस्यों सहित मातृ शक्ति ने भाग लिया।

महाशिवरात्रि पर शिवाड़ में आज से उमड़ेगा आस्था का महासागर

घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग में छह दिवसीय भव्य मेले का आज शुभारंभ

पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

प्रेम प्रकाश शर्मा, अध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध घुश्मेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग महादेव मंदिर, शिवाड़ में 14 से 19 फरवरी तक छह दिवसीय भव्य धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के भगवान भोलेनाथ के दर्शन हेतु पहुंचने की संभावना है। जिला प्रशासन द्वारा मेले को लेकर मंदिर परिसर एवं शिवाड़ कस्बे में आकर्षक सजावट की जी रही है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा, यातायात एवं पार्किंग की व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मेला 14 फरवरी को दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ होगा। इस दिन शनि प्रदोष व्रत पूजन सहित धार्मिक अनुष्ठान पूरे दिन संपन्न होंगे। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजन, महारुद्राभिषेक, रुद्राष्टाध्यायी पाठ एवं चार प्रहर की रात्रिकालीन पूजा आयोजित की जाएगी। इसी दिन कस्बे के चारों द्वारों (सर्वसर्प, वृषभ, नाट्यशाला एवं ईश्वर द्वार) से भव्य शोभायात्राएं निकाली जाएंगी, जो मंदिर परिसर पहुंचेंगी। दोपहर 2 बजे मंदिर के मुख्य शिखर पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ धर्मध्वजारोहण किया जाएगा। इसके उपरांत नव-निर्मित कमानी मंदिर का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा तथा रात्रि में 8 बजे से दशहरा मैदान में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सुप्रसिद्ध भजन कलाकारों चंचल काबरा, शंभू लहरी मुम्बई द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी। मेले के तीसरे दिन 16 फरवरी को शिवलिंग पूजन, धार्मिक अनुष्ठानों के साथ राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। मंदिर परिसर में घूमर नृत्य का आयोजन किया जाएगा तथा रात्रि में कोटा की भारती एवं पार्टी द्वारा कालरा सत्संग भवन में पारंपरिक सोमवारी संगीतमय जागरण किया जाएगा। 17 फरवरी को विशेष पूजा-अर्चना के साथ विशाल मेला भरेगा तथा दशहरा मैदान में सांय 7 बजे से राष्ट्रीय स्तर के कवियों मुन्ना बैट्री, गोविंद भारद्वाज, दीपा सैनी, भूपेन्द्र राठौड़, अमित आजाद, सूरेश अलबेला, डॉ. भगवान मकरन्द, नानक चंद नवीन, अखिलेश अखिल, ममता मंजूला आदि द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 18 फरवरी को भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। छह दिवसीय इस धार्मिक आयोजन का समापन 19 फरवरी को विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ होगा। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शर्मा ने बताया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही एवं सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना हुआ है तथा स्थानीय प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट एवं आयोजन समिति श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सतत कार्य कर रहे हैं।

महिला नेत्री समूह ने किया कृषि विज्ञान केंद्र, पोकरण का भ्रमण

बढ़ता राजस्थान

चाकसू (नि.स.)। पोकरण, भावी निर्माण सोसाइटी एवं अप्रवा एनर्जी एवं सीआईआई फाउंडेशन के सहयोग से राजस्थान के दस जिलो से आयी महिला नेत्रियों का महिला सशक्तिकरण विषय पर पोकरण में 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजित किया गया। जिसमे विभिन्न द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं बजट व बचत प्रबंधन पर मास्टर ट्रेनर शैलेंद्र कोष्टी, कृषि विज्ञान केंद्र पोकरण से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद ने पोषण जागरूकता एवं पोषण वाटिका,किचन गार्डन, ऑर्गेनिक बीज से संबंधित व्याख्यान दिए गये।

विद्या प्रचारिणी सभा की मीटिंग में हंगामाःचुनाव स्थगित की मांग, धरने पर बैठे कई सदस्य, 54 नए मेंबर्स शामिल करने को लेकर विवाद

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। उदयपुर की भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी में विद्या प्रचारिणी सभा की वार्षिक बैठक में चुनाव को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। चुनाव स्थगित कराने की मांग को लेकर नाराज सदस्य मंच पर चढ़ गए। वे वहीं धरने पर बैठ गए। कई देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। घोषणा नहीं होने तक सदस्य मंच पर ही डटे रहे। मुख्य विवाद 54 नए सदस्यों को लेकर है। इन्हें पिछले साल आमसभा में कथित रूप से जोड़ लिया था। इन्हें संस्था की गतिविधियों, मतदान और कार्यकारिणी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोकने के लिए शुक्रवार को हंगामा हुआ। इस दौरान कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. एस.एस.सारंगदेवत सहित अन्य पदाधिकारियों ने सदस्यों से समझाइश की।

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
ग्यारहवें जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिय संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
एमएसीसी/1283/2024
तेजभान सिंह सेन बनाम प्रफूल पटेल

प्रेषिती **NEXT DATE : 16-03-2026**

1.प्रफूल पटेल किशनलाल पटेल, पता–निवासी 93 भाटियों की मागरी ग्राम सपेटिया जिला उदयपुर राजस्थान
2.मै. सुषमा क्रेन सर्विस कान्टेक्टर पता–प्रो. प्रशांत पटेल ग्राम सुखेर इन्डस्ट्रीयल एरिया उदयपुर राजस्थान

यह कि प्रार्थी तेजभान सिंह ने आपके विरूद्ध एमएसीसी/1283/2024 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 12.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यायाधीश श्रीमती सुचिता श्रीवास्तव
ग्यारहवें जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT MALKERA (SIKAR)

No:2025-26/08 | Date: 11-02-2026

Notice Inviting Bid

Bids For Various Civil construction work gram panchayat Malkera are invited from interested bidders upto 23.02.2026 time 6 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state.

NIB PIV25264A117
UBN: PIV2526WSRC00165 to PIV2526WSRC00166

प्रशासक
ग्राम पंचायत मलकेड़ा
पं.स. पिपराली(सीकर)

प्रशासक
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मलकेड़ा
पं.स. पिपराली

खिलाड़ियों का सम्मान करने से बढ़ता है हौसलाः गंगा सिंह महरौली

महरौली में महादेव कबड्डी प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान समारोह

बढ़ता राजस्थान

रींगस (नि.स.)। ग्राम सरगोठ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर अवस्थित मकराना राज होटल में गुरुवार रात्रि को ग्राम महरौली में 5 फरवरी को आयोजित महादेव कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 42 खिलाडियों को माल्यार्पण कर पारंपरिक साफा पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई।समारोह की अध्यक्षता ग्राम पंचायत महरौली के समाजसेवी गंगा सिंह महरौली ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खिलाडियों का सम्मान करने से उनका हौसला बढ़ता है और वे आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि गांवों की खेल संस्कृति ही भविष्य में प्रदेश और देश को श्रेष्ठ खिलाड़ी देने की मजबूत नींव रखती है। ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता है तो केवल सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की। कार्यक्रम के दौरान विजेता टीम भंबोरी कबड्डी क्लब जयपुर तथा उपविजेता टीम महाकाल कबड्डी क्लब जयपुर के 20 खिलाडियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा महादेव कबड्डी क्लब महरौली और अरनिया कबड्डी क्लब के 22 खिलाडियों को भी माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी 42 खिलाडियों के लिए रात्रि भोजन का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें सौहार्दपूर्ण वातावरण में सहभागिता रही। इस अवसर पर पूर्व उपसरपंच मनोज झाझडिया, विनोद कुमार वर्मा, शिवम जांगिड़, अभिषेक काला, हेमंत वर्मा, अंकित मुंडोतिया, शुभम पंवार, लालचंद वर्मा, केशव जांगिड़, शुभम जांगिड़, रमेश यादव, विक्रम घोड़ीवाल, लालचंद बिवाल, विष्णु शर्मा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देते हैं और गांव में सकारात्मक माहौल का निर्माण करते हैं।

ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक

31 लाख से अधिक ग्रामीणों तक पहुंची योजनाओं की सौगात

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को पृथ्वीराज ऑडिटोरियम, कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद एवं ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में कृषि नवाचार, ग्रामीण विकास और बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 69 हजार करोड़ रुपये समेकित निधि से व्यय किए जाएंगे। यह गत वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। राज्य की जीडीपी में कृषि बजट की हिस्सेदारी 5.55 प्रतिशत है, जो सरकार की कृषि एवं ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्राम-2026 को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 2 हजार 770 गिरदावर सर्किलों में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 31 लाख 57 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त किया। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के आवेदन-पत्र तैयार करवाए गए तथा पूर्व में दिए गए आवेदनों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया गया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या सुमन स्वामी पत्नि श्री सुनिल कुमार स्वामी निवासी ग्राम सांवतसर, किशनगढ़, जिला अजमेर के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति जो प्लाट नं. ई-05, खसरा नं. 6071/5961, स्कीम भव्य एन्कलव आवासीय कॉलोनी जयपुर बीकानेर रोड ग्राम पलसाना, तह० दांतारामगढ जिला सीकर राज० में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज है जो दिनांक 20.03.2023 के क्रम संख्या 20230350310716 को निर्मल गुप्ता पुत्र श्री हरि प्रसाद गुप्ता से जितेन्द्र स्वामी पुत्र श्री गोपाल स्वामी ने जरिये विकय पत्र खरीद की हुई थी तत्थपश्चात जितेन्द्र स्वामी पुत्र श्री गोपाल स्वामी से मेरी अभिभाष्या ने दिनांक 05.08.2024 के क्रम संख्या 202403503103762 द्वारा खरीद की हुई है तथा मेरी अभिभाष्या ही उपरोक्त सम्पति की मालिक व स्वामीनी है तथा मूल विक्रय पत्र दिनांक 20.03.2023 के क्रम संख्या 20230350310716 का दिनांक 01.05.2024 को कही से गुम हो चुके है तथा उक्त सम्पति पर मेरी अभिभाष्या ने Cholamandalam Investment & Finance Company Branch Dataramgarh से ऋण प्राप्त कर रही है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के मालिकाना हक एवं कब्जे के सम्बन्ध में आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक: 13/02/2026

कैलाश चन्द्र अग्रवाल (पटवारी)
एडवोकेट राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर (राज.)
मो. : 9928371734, 9314141813

डायरेक्टर विक्रम भट्ट को राहत नहीं,पत्नी जेल से रिहा होगीःसुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 18 को; फिल्म बनाने के लिए 30 करोड़ की धोखाधड़ी

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड डायरेक्टर विक्रम भट्ट की पत्नी श्वेतांभरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी। वहीं विक्रम भट्ट को राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में विक्रम भट्ट की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी और परिवादी डॉ. अजय मुर्डिया की ओर से एडवोकेट हर्ष सुराना ने पैरवी की। अब दोनों की नियमित जमानत पर अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी।हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने पर सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी अर्जीपरिवादी डॉ. अजय मुर्डिया के वकील मंजूर हुसैन ने बताया- 31 जनवरी 2026 को राजस्थान हाईकोर्ट ने भट्ट दंपती की जमानत याचिका खारिज की थी। इसके बाद दंपती ने सुप्रीम कोर्ट जाकर नियमित जमानत के लिए स्पेशल लीव पिटिशन दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए शुक्रवार को सुनवाई की। इसमें श्वेतांभरी भट्ट को अंतरिम जमानत दी गई है, लेकिन विक्रम भट्ट को राहत नहीं मिली।

उदयपुर पुलिस मुंबई से पकडक़र लेकर आई थी : 7 दिसंबर को उदयपुर डीएसपी छगन राजपुरोहित की 6 सदस्यीय टीम ने मुंबई पहुंचकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी को उनके जुहू स्थित गंगाभवन कॉम्प्लेक्स के फ्लैट से गिरफ्तार किया था।

बिरला ऑडिटोरियम में होगा जमीअतुल कुरैश का राष्ट्रीय महासम्मेलन, देशभर से जुटेंगे स्कॉलर्स और अफसर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। ऑल इंडिया जमीअतुल कुरैश की राष्ट्रीय कांफ्रेंस जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में 15 फरवरी को सुबह 10.30 बजे होगी। जिसमें संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, साइंटिस्ट, ब्यूरोक्रेट्स, चिकित्सा, शिक्षा, धर्म, समाज से जुड़ी नामचीन शख्सियतें शामिल होंगी। इसी के साथ देश व समाज की उन्नति, उत्थान एवं विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे वरिष्ठजन शामिल होंगे। वहीं कांफ्रेंस के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को यहां इंडियाना ग्रांट होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जमीअतुल कुरैश राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हाजी नईमुद्दीन कुरैशी ने दी। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में जमीअतुल कुरैश के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष जीनत कुरैशी, पायलट अफ्शा कुरैशी सहित देशभर के विभिन्न स्कॉलर शामिल होंगे। इसी के साथ समाज के आईएएस-आरएएस अधिकारी, चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिभाएं, नीट क्लियर कर चुके अभ्यर्थी, शिक्षा व समाज की नामवर शख्सियतों की विशेष उपस्थिति रहेगी। वहीं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।? संगठन के प्रदेशाध्यक्ष हाजी नईमुद्दीन कुरैशी ने बताया कि संगठन गठन के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश, प्रदेश व समाज की तरक्की के लिए कार्यशील प्रतिभाओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। संवाददाता सम्मेलन के दौरान संगठन के संरक्षक छुट्टन कुरैशी, प्रदेश महासचिव खालिद कुरैशी, जयपुर शहर अध्यक्ष फसीउद्दीन कुरैशी, एडवोकेट शब्बीर कुरैशी, जियाउद्दीन कुरैशी, शफीक कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर

सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.), फोन : 0141-2229737

क्रमांक : 2611 | दिनांकः 04/02/2026

ई-निविदा सूचना संख्याः 80/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत कोटपूतली-बहरोड़ एवं टोंक जिले में रू. 176.30 लाख के 3 सिविल एवं विद्युत कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN
1. NRH2526 WSOB 02313
2. NRH2526 WS OB 02314
3. NRH2526 WS0B02315

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड प्रथम, जयपुर

DIPR/C/2687/2026

सम्पादकीय

बांग्लादेश में बदलाव

लंबे समय तक अस्थिरता-अराजकता से जूझते रहे बांग्लादेश के चुनाव परिणाम इस देश को स्थिरता प्रदान करते दिख रहे हैं। इसका कारण यह है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी सरकार बनाने के लिए आवश्यक सीटों से कहीं अधिक सीटें जीतने में सफल रही और उसके नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। बांग्लादेश के चुनाव आम तौर पर शांतिपूर्ण रहे, लेकिन उन्हें निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर चुनाव लडने से रोक दिया गया। तथ्य यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल के रूप उभरी जमात-ए-इस्लामी चुनाव नतीजों को स्वीकार करने में आनाकानी करती दिख रही है। बांग्लादेश में हमेशा चुनावों की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। चूंकि कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त जमात-ए-इस्लामी परास्त हो गई, इसलिए भारत राहत की सांस ले सकता है, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसे उम्मीद से कहीं अधिक सीटें मिलीं। जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ी छात्रों की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी को कोई खास सफलता न मिलना भी भारत के लिए राहतकारी है।

इन्हीं छात्रों ने जुलाई 2024 में शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था, जिसके नतीजे में उन्हें भारत में शरण लेनी पड़ी थी। भारत विरोधी तेवर अपनाए नेशनल सिटीजन पार्टी का हश्र यही बताता है कि उसका आंदोलन न तो किसी क्रांति का परिचायक था और न ही किसी सकारात्मक बदलाव का। चूंकि बांग्लादेश में चुनाव के साथ संवैधानिक बदलावों पर जनमत संग्रह भी हुआ, इसलिए वहां नई सरकार के गठन के साथ ही राजनीतिक ढांचे में परिवर्तन होना तय है। यह स्वाभाविक है कि बांग्लादेश की नई सरकार के रवैये पर भारत की गहरी निगाह होगी।

भारत को न केवल यह देखना होगा कि बांग्लादेश की नई सरकार उसके हितों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देती है या नहीं, बल्कि यह भी कि वह कट्टरपंथियों समेत अन्य भारत विरोधी तत्वों पर लगाम लगाती है या नहीं? भारत को यह तो खास तौर पर देखना होगा कि इस पड़ोसी देश में हिंदुओं का दमन रुकता है या नहीं? बांग्लादेश की नई सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके यहां पूर्वोत्तर भारत के विद्रोही गुटों को शरण न मिले। भारत की चिंता का विषय यह भी रहा है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समय बांग्लादेश की पाकिस्तान से

निकटता अप्रत्याशित तरीके से बढ़ी। यदि यह निकटता कम नहीं हुई तो भारत के साथ खुद बांग्लादेश के लिए खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश को यह भूलना नहीं चाहिए कि उसे पाकिस्तान की बर्बरता से मुक्ति और आजादी भारत के सहयोग से ही मिली थी।

आज का इतिहास — बढ़ता राजस्थान

14 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 1537 - गुजरात के बहादुर शाह को पुर्तग़ालियों ने धोखे से गिरफ़्तार करने की कोशिश की और भागने के चक्कर में वह डूब गया।
- 1556 - पंजाब के गुरदासपुर ज़िले के कलानौर में अकबर की ताजपोशी हुई।
- 1628 - शाहजहाँ आगरा की गद्दी पर बैठा।
- 1658 - दिल्ली की सत्ता हथियाने के लिए मुग़ल वंश के आपसी संघर्ष में दारा ने वाराणसी के पास बहादुरपुर की लड़ाई में शुजा को पराजित किया।
- 1663 - कनाडा फ्ऱांस का एक प्रान्त बना।
- 1670 - रोमन कैथोलिक सम्राट लियोपोल्ड प्रथम ने यहूदियों को वियना से बाहर किया।
- 1743 - हेनरी पेलहम ब्रिटेन के वित्त विभाग के पहले प्रमुख बने।
- 1846 - क्राको गणराज्य का विद्रोह पूरे पोलैंड में फैल गया।
- 1881 - भारत के पहले होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की कोलकाता में स्थापना।
- 1899 - अमेरिकी कांग्रेस ने संघीय चुनाव में वोटिंग मशीन के इस्तेमाल को मंजूरी दी।
- 1893 - हवाई अमेरिका का हिस्सा बना।
- 1912 - इंग्लैंड में पहली बार डीजल इंजन वाली पनडुब्बी का जलावतरण किया गया।
- 1920 - शिकागो में महिला मतदाता लीग की स्थापना की गयी।
- 1931 - महान् क्रान्तिकारी भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव को लाहौर के एक जेल में फाँसी दे दी गयी।
- 1943 - सोवियत फ़ौजों ने जर्मन फ़ौजों से रोस्तोव पुन: छीन लिया।
- 1945 - पेरू, पराग्वे, चिली और इक्काडोर संयुक्त राष्ट्र के सदस्य बने।
- 1958 - ईराक और जार्डन को मिलाकर बने फ़ेडरेशन के मुखिया शाह फ़ैजल बने।

विशेष आलेख

सरकार से सवाल:क्या सरकारी स्कूलों में बच्चों के मन की सुनवाई की कोई व्यवस्था है?

डॉ. एन.पी. गांधी

सरकारी स्कूलों में मनोवैज्ञानिक काउंसलर, परीक्षा-पूर्व तनाव प्रबंधन और अनिवार्य जीवन कौशल सत्र लागू हों

कोटा जिले के दीगोद क्षेत्र में गुरुवार को दसवीं की बोर्ड परीक्षा के दिन एक 16 वर्षीय छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, बाद में न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।परिवार के अनुसार छात्रा पिछले डेढ़ महीने से पढ़ाई को लेकर गंभीर मानसिक तनाव में थी और स्कूल भी नियमित नहीं जा रही थी। पिता ने केवल इतना कहा था कि परीक्षा दे दो, परिणाम की चिंता मत करना, लेकिन उसके भीतर चल रहा दबाव शब्दों में व्यक्त नहीं हो सका। घटना के दिन सुबह माता-पिता मजदूरी के लिए कोटा निकल गए थे। लगभग पौने दस बजे गांव से सूचना मिली कि बेटी ने फांसी लगा ली। भाई ने तुरंत उसे नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया, पर डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके। स्थानीय पुलिस के अनुसार पढ़ाई का तनाव प्रमुख कारण माना जा रहा है।कोटा में दसवीं की परीक्षा से ठीक पहले 16 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सिस्टम की चुप्पी पर बड़ा सवाल है। पढ़ाई का दबाव उतना घातक नहीं होता जितनी घातक होती है बच्चों के मन की अनसुनी। जब कोई बच्चा महीनों स्कूल नहीं जाता, पढ़ाई से दूर होता है और 'मुझे नहीं पढना'कहता है, तब यह जिद नहीं, चेतावनी होती है। क्या सरकारी स्कूलों में ऐसे संकेत पहचानने की कोई व्यवस्था है? क्या मानसिक काउंसलिंग केवल कोचिंग तक सीमित रहेगी? यह घटना सरकार से तत्काल नीतिगत हस्तक्षेप की मांग करती है—क्योंकि एक परीक्षा से बड़ा होता है एक बच्चे का जीवन।

आखिर क्यों टूट जाते हैं नाजुक मन

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान,मुंबई के एलुमनाई एवं ग्लोबल एन.एल.पी. लाइफ करियर कोच डॉ. नयन प्रकाश गांधी के अनुसार आत्महत्या कभी अचानक लिया गया निर्णय नहीं होती। यह लंबे समय से चल रहे मानसिक संघर्ष, असफलता के डर और भावनात्मक थकान का परिणाम होती है।

इस मामले में चेतावनी संकेत स्पष्ट थे—

पढ़ाई में रुचि खत्म होना,लंबे समय तक स्कूल न जाना,मुझे नहीं पढना एवं किशोरावस्था में बच्चे अत्यंत संवेदनशील होते हैं। उनकी सोच पूरी तरह परिपक्व नहीं होती और असफलता का भय उन्हें असहनीय लग सकता है। जब बच्चा यह महसूस करता है कि वह अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पा रहा, तो अपराधबोध और हीनता की भावना गहराने लगती है।डॉ. गांधी बताते हैं कि एन.एल.पी एनएलपी (न्यूरो-लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग) के माध्यम से सोच, भावनाओं और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उनके अनुभव में बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता होती है बिना शर्त स्वीकृति की। जहां स्वीकृति मिलती है, वहां आत्मघाती विचार कमजोर पड़ जाते हैं।

समाधान क्या?

माता-पिता, स्कूल और सरकार की साझा जिम्मेदारी

यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि नीति-निर्माताओं के लिए चेतावनी है।

माता-पिता क्या करें?

बच्चे के व्यवहार में बदलाव को गंभीरता से लें

रोज संवाद करें, केवल निर्देश न दें

परिणाम से अधिक बच्चे को महत्व दें

निःशुल्क छात्र मानसिक परीक्षा तनाव ,करियर दबाव सबंधी काउंसलिग की हो अनिवार्यता

स्कूल और शिक्षा विभाग की भूमिका

लंबे समय तक अनुपस्थित छात्रों पर अनिवार्य फॉलो-अप

सरकारी स्कूलों में मनोवैज्ञानिक काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य हो

कोचिंग ही नहीं, सरकारी स्कूलों में भी साप्ताहिक जीवन प्रबंधन,मानसिक तनाव नियंत्रण,करियर मार्गदर्शन,मोटिवेशनल वर्कशॉप अनिवार्य की जाए ।

डॉ. गांधी के अनुसार विभिन्न शोध बताते हैं कि परीक्षा-पूर्व तनाव प्रबंधन सत्र और नियमित काउंसलिंग से इस प्रकार की आत्महत्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है,जिससे प्रारंभिक अवस्था में ही तनाव ज्ञात होने पर उसका उचित समाधान किया जा सके । क्योंकि सच यही है,एक परीक्षा से बड़ा होता है एक बच्चे का जीवन,परंतु सरकार ,प्रशासन के बाद भी गांधी अहम भूमिका माता पिता की मानते है अतः गांव कस्बे स्तर पर माता पिता के लिए भी बच्चों के मानसिक तनाव को भांपने समझने हेतु ,बच्चों के साथ उचित व्यवहार ,तकनीकी समझ ,साइबर यौन अपराध आदि हेतु भी जागरूकता संबंधित प्रशिक्षण आवश्यक है।

एआई शिखर सम्मेलन 2026: क्या भारत बनेगा वैश्विक 'नियम-निर्माता' या सिर्फ उपभोक्ता?

भारत इस आयोजन के माध्यम से खुद को केवल तकनीक अपनाने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श का दिशा-निर्धारक बनाने की कोशिश कर रहा है।

अमिता शर्मा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) बेहद तेजी से दुनिया को बदल रही है और भारत अब इस तकनीकी बदलाव का एक अहम हिस्सा बन चुका है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाला 'एआई शिखर सम्मेलन' एक ऐतिहासिक मोड़ है। भारत इस आयोजन के माध्यम से खुद को केवल तकनीक अपनाने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श का दिशा-निर्धारक बनाने की कोशिश कर रहा है।

अभिषेक सिंह का दृष्टिकोण और 'सॉवरेन एआई' का महत्व

'इंडिया एआई मिशन' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, अभिषेक सिंह ने इस सम्मेलन के लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे हैं। उन्होंने विशेष रूप से 'सॉवरेन एआई' (संप्रभु एआई) के विकास पर जोर दिया है। सॉवरेन एआई का अर्थ है कि भारत के पास अपनी खुद की एआई क्षमताएं होनी चाहिए, जो बाहरी देशों या विदेशी कंपनियों पर निर्भर न

हों। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीयों का डेटा भारत के भीतर ही सुरक्षित रहे और उसका उपयोग देश के विकास के लिए हो। उन्होंने 'ट्रस्ट कॉमन्स' का भी प्रस्ताव रखा है, जो एक वैश्विक ढांचा होगा ताकि यह तकनीक सुरक्षित और नैतिक बनी रहे। भारत सरकार ने देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की कंप्यूटिंग पावर को बढ़ाने के लिए एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। इंडिया एआई मिशन के तहत 2026 तक देश के ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की क्षमता को 38000 से बढक़र 100,000 तक ले जाने की योजना है इस विस्तार से एनवीडीया जैसी कंपनियों की मांग बढ़ेगी लेकिन यह भू राजनीतिक निर्भरता और सप्लाई चैन की जोखिमों को भी उजागर करता है। सम्मेलन में 'युवा एआई ग्लोबल' जैसे कार्यक्रम युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेंगे। 'वैश्विक प्रभाव चुनौती' के माध्यम से डीपीआईआईटी (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग), 'स्टार्टअप इंडिया' और 'भाषिणी' जैसे मिशनों को एक मंच पर लाया जा रहा है। यहाँ 'महिला उद्यमिता मंच' के माध्यम से महिला उद्यमियों को विशेष अवसर दिए जा रहे हैं। एआई के आने से आंकड़ों के विश्लेषण और मशीन लर्निंग इंजीनियरों के रूप में उच्च-कौशल वाले लाखों नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय जोखिम और सामाजिक पूर्वाग्रह जैसी चुनौतियां उठाई हैं। उनका मानना है कि यदि यह तकनीक पुराने और पक्षपाती आंकड़ों से सीखती है, तो यह जाति और लिंग आधारित भेदभाव को और गहरा कर सकती है। इसे सुधारना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

लघु कथा — बढ़ता राजस्थान

मिट्टी और कुंभकार

बार-बार पैरों तले कुचले जाने के कारण मिट्टी अपने भाग्य पर रो पड़ी । अहो! मैं कैसी बदनसीबी हूँ कि सभी लोग मेरा अपमान करते हैं । कोई भी मुझे सम्मान की दृष्टि से नहीं देखता जबकि मेरे ही भीतर से प्रस्फुटित होने वाले फूल का कितना सम्मान है । फूलों की माना पिरोकर गले में पहनी जाती है । भक्त लोग अपने उपास्य के चरणों में चढ़ाते हैं । वनिताएं अपने बालों में गूंथ कर गर्व का अनुभव करती हैं । क्या ही अच्छा हो कि मैं भी लोगों के मस्तिष्क पर चढ़ जाऊं! मिदटी के अंदर से निकलती हुई आह को जानकर कुंभकार बोला- मिट्टी बहिन! तुम यदि सम्मान पाना चाहती हो तो तुम्हें बड़ा सम्मान दिला सकता हूँ लेकिन एक शर्त है । 'एक क्या तुम्हारी जितनी भी शर्तें हों, मुझे सभी स्वीकार हैं । बस मुझे लोगों के पैरों तले से हटा दो, कुंभकार की बात को बीच में ही काटते हुए मिट्टी ने कहा । तो फिर ठीक है, तैयार हो जाओ -कहते हुए कुंभकार ने जमीन खोदकर मिट्टी बाहर निकाली । गधों की सवारी कराता हुआ उसे घर ले आया । पानी में डालकर उसे बहुत समय तक गीली रखा । इतना ही नहीं फिर पैरों से उसे खूब रौंदा । कष्टों को सहते हुए मिट्टी बोली, अरे भाई! बहुत कष्ट दे रहे हो । कब मुझे सम्मान का पात्र बनाओगे?मिट्टी बहिन! धैर्य रखो । अभी सहती जाओ, तुम्हें इसका मधुर फल जरूर मिलेगा । कुंभकार की बात सुनकर मिट्टी कुछ नहीं बोली । कुंभकार ने मिट्टी को चाक पर चढ़ाया और उसे तेजी से घुमाते हुए घड़े का रूप दिया । फिर धूप में सुखाया । कष्ट सहते-सहते जब मिट्टी का धैर्य टूटने लगा तो कुंभकार बोला, 'बस बहन ! अब केवल एक अग्नि-परीक्षा ही शेष है । और सभी में तुम उत्तीर्ण हो चुकी हो । यदि उसमें भी उत्तीर्ण रही तो लोग सती सीता की तरह तुम्हें भी मस्तक पर चढ़ा लेंगे । सीता को लोग सिर झुकाकर सम्मान देते हैं किन्तु तुम्हें तो वनिताएं सिर पर सजा कर घूमेंगी । आखिर मिट्टी ने सब कुछ सह कर अग्नि-परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली । फिर क्या था! सचमुच सुंदरियां उसे सिर पर उठाए फिरने लगी । मिट्टी अपने सम्मान पर प्रफुल्लित हो उठी । आखिर सम्मान पाने के लिए कष्ट तो सहने ही पड़ते हैं ।

हैल्थ टिप्स — बढ़ता राजस्थान

पीरियड्स में महिलाओं के लिए वरदान है डार्क चॉकलेट

1. पीरियड क्रैम्प्स में तुरंत राहत डार्क चॉकलेट मैग्नीशियम का एक समृद्ध स्रोत है। मैग्नीशियम मांसपेशियों को आराम देने का काम करता है। पीरियड्स के दौरान गर्भाशय की मांसपेशियों में होने वाले खिंचाव और ऐंठन को कम करने में यह काफी प्रभावी है।

2. मूड स्विंग्स को कहता है अलविदा- पीरियड्स के दौरान हार्मोनल बदलाव की वजह से मूड में उतार-चढ़ाव होना सामान्य है। डार्क चॉकलेट खाने से शरीर में एंडोर्फिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होते हैं, जो तनाव और चिंता को कम कर मन को खुश रखते हैं।

3. एनर्जी लेवल को करता है बूस्ट -उन दिनों में अक्सर महिलाएं थकान और कमजोरी महसूस करती हैं। डार्क चॉकलेट में आयरन और थोड़ी मात्रा में कैफीन होता है, जो शरीर को तुरंत एनर्जी देता है और आपको सुस्ती से बचाता है।

4. डार्क चॉकलेट एक नेचुरल स्ट्रेस बस्टर -इसमें मौजूद फ्लेवोनोल्स ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं और कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को कम करते हैं। इससे पीरियड्स के दौरान होने वाली चिड़चिड़ाहट और मानसिक तनाव में काफी कमी आती है।

5. मीठे की क्रेविंग का हेल्दी विकल्प- पीरियड्स के दौरान अक्सर महिलाओं को मीठा या जंक फूड खाने की तीव्र इच्छा होती है। मिल्क चॉकलेट या ज्यादा चीनी वाली मिठाई खाने के बजाय डार्क चॉकलेट एक स्वस्थ विकल्प है, जो आपकी क्रेविंग को भी शांत करती है और वजन भी नहीं बढ़ाती।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

आज का दिन आपके लिए भावनाओं की नाव को संभालने का है, जहां हर लहर पर नियंत्रण जरूरी है। कल्पना कीजिए, आप अपने सबसे करीबियों के दिलों को जीतने वाले जादूगर हैं।

वृष

आज निवेश करते समय दिमाग को ब्रेक दें। हर पैसा सोच-समझकर लगाएं, जैसे खजाने की रक्षा करने वाला पहरेदार। धन को थोड़ा किनारे पर रखें, ताकि भविष्य सुरक्षित रहे। कामों पर फोकस रखें।

मिथुन

परिजनों का साथ आज आपके कंधों पर बोझ उतार देगा, और आप सबको एक परिवार की तरह जोडऩे में जुटे रहेंगे। मन की कोई पुरानी इच्छा आज फलित हो सकती है, जैसे लंबे समय से चाहा हुआ गैजेट हाथ लगना।

कर्क

तर्क-वितर्क के जाल में फंसने से बचें, वरना ऊर्जा बर्बाद हो जाएगी। शासन और प्रशासन के मामलों में आंखें तरेरी रखें। सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं, जैसे सब्सिडी का फायदा पक्का करना।

सिंह

आर्थिक मोर्चे पर आज सूरज चमकेगा। पैसे की बारिश हो सकती है। लंबी यात्रा की प्लानिंग करें, जो तरोताजा कर देगी। भाई-बंधुओं से जमकर पटेगी।

कन्या

आज परोपकार के मैदान में आप हीरो बनेंगे। दान, मदद से दिल जीतें। पुरानी गलतियों से सबक लें, जैसे गलत निवेश से सीखकर स्मार्ट बनना। कामों को प्लान से चलाएं, अपरिचितों से दूरी रखें।

तुला

नेतृत्व की चमक आज बढ़ेगी, और प्रेम में गहराई आएगी। साथी की भावनाओं का सम्मान करें, खुलकर इच्छाओं पर बात करें। रिश्ता और मजबूत होगा। किसी काम के देरी से निराशा हो सकती है, लेकिन नए अनुबंध लाभ लाएंगे। लोगों का दिल जीतें।

वृश्चिक

धैर्य और संयम आपकी ढाल हैं आज। खर्चों का बजट बनाएं, मन की इच्छा पूरी होकर खुशी दोगुनी करेगी। परिवार में नया मेहमान हंसी लाएगा। विरोधी की बातों में न फंसें, वाहन सावधानी से चलाएं।

धनु

आज का दिन आपके लिए एक रोमांचक साहसिक यात्रा जैसा है। ठीक-ठाक लेकिन भरपूर ऊर्जा वाला। जीवनसाथी के साथ पटेगी, जैसे पुराने दोस्तों की तरह हंसी-मजाक चलेगा।

मकर

आज सोच-समझकर हर कदम उठाएं, जैसे पहाड़ चढ़ते हुए रस्सी पकडऩा। दूसरों के मामलों में बोलने से बचें, वरना अनावश्यक उलझनें बढ़ेंगी। आपके अंदर ऊर्जा का ज्वालामुखी फूट पड़ेगा। हर काम तत्परता से निपटेगा।

कुंभ

हंसी-खुशी का माहौल बनेगा। बिजनेस या जॉब में अनजान व्यक्ति की सलाह न लें, वरना समस्याएं दोगुनी हो जाएंगी। अपने अनुभव पर भरोसा करें। पुराना मित्र लंबे समय बाद मिलेगा, जो सरप्राइज गिफ्ट या सलाह लाएगा।

मीन

आनंदमय दिन, जैसे समुद्र की लहरों में तैरना। परिवार में अगर कड़वाहट चल रही थी, तो वह पिघलकर मिठास में बदल जाएगी। खुलकर बात करें। नए लोगों से मुलाकात होगी, जो नई दोस्ती या अवसर लाएंगी।

बहरावंडा कलां में रात्रि चौपालः सुनीं जनसमस्याएं दिए समाधान के निर्देश

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला कलक्टर काना राम ने खण्डार उपखंड के बहरावंडा कलां स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल, सडक़, चिकित्सा, सीमाज्ञान, अतिक्रमण, नाली निर्माण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान परिवादी भीमराज द्वारा जिला कलक्टर के समक्ष वीसीआर राशि निस्तारण करवाने, परिवादी मुकेश द्वारा उनके खेत में 11 केवी लाईन के झूलते विद्त तारों को दुरुस्त करवाने, ग्राम बुडाना एवं बहरावण्ड़ा कलां में आम रास्तों से अतिक्रमण हटवाने, नाली निर्माण, कीचड़ की समस्या के समाधान की शिकायत की गई। जिला कलक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने बनास नदी पुल पर सुरक्षा रेलिंग लगाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता शिवकेश मीना को 7 दिवस में कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। समस्त ग्रामवासियों की मांग पर बहरावण्ड़ा कलां में खेल मैदान के लिए भूमि आवंटन प्रस्ताव तैयार करने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया। साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों की नियुक्ति तथा प्रसूति सेवाएं प्रारम्भ करने के लिए ब्लॉक सीएमएचओ को निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त पात्र परिवारों को पट्टा जारी करने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही के निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फसल कटाई, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, सोलर पंप एवं पॉलीहाउस, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, सोलर रूफटॉप, सामुहिक तारंबदी योजना, फार्म पॉण्ड योजना, टी.बी. मुक्त भारत अभियान, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। रात्रि चौपाल में उपखंड अधिकारी वर्षा मीना, विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मित्तल, तहसीलदार पुष्कर सिंह, सहायक निदेशक कृषि खेमराज मीना, सरपंच जुगल किशोर चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

3 घंटे विद्युत सप्लाई रहेगी बंद

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। शनिवार को 132 केवी जीएसएस पर 33 केवी मेन पर विद्त लाइनों के रखरखाव के कारण 3 घंटे विद्त आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग सहायक अभियंता लक्ष्मी अग्रवाल ने बताया कि 33 केवी मेन के मरम्मत कार्य करने के कारण 132 केवी जीएसएस से निकलने वाले सभी फीडर की सुबह 8.00 से 11.00 बजे तक विद्त आपूर्ति बंद रहेगी।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के प्रसंग पर झूमे श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। जमात में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। जिसमें श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग मुख्य आकर्षक रहा। आचार्य राजेश शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अत्याचारी राजा कंस के वध कंस मर्दन की कथा का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म बढता है, तब-तब भगवान अवतार लेकर बुराई का अंत करते हैं। जैसे ही कंस मर्दन की लीला का प्रसंग आया। पाण्डाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और पूरा वातावरण जय श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कथा के अगले चरण में भगवान श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। विवाह प्रसंग के दौरान सजीव झांकियां सजाई गईं और मंगल गीत गाए गए। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया और भजनों पर जमकर नृत्य किया। आयोजक नितिन अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन समाज की सुख-समृद्धि व आध्यात्मिक शांति के लिए किया जा रहा है। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल, रामवतार अग्रवाल व राजेन्द्र अग्रवाल सहित कई धर्मप्रेमी मौजूद थे। सभी ने व्यास पीठ का पूजन कर क्षेत्र में खुशहाली की मनोकामना की।

राजस्थान में 1150 करोड़ का फसल बीमा घोटाला

कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने एसबीआई में मारा छापा, खुला फर्जीवाड़े का खेल

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर / सालासर (चूरू) (राकेश शर्मा)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने चूरू जिले के सालासर स्थित एसबीआई बैंक में अचानक पहुंचकर कृषि फसल बीमा योजना 2025 में बड़े घोटाले का खुलासा किया है। मंत्री ने इस गड़बड़ी में फर्जी किसान बनाकर माफिया, बीमा कंपनी और बैंक की सांठगांठ की संभावना जताई है।

किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि सालासर बैंक शाखा से 71 किसानों के नाम पर 15 लाख रुपए की बीमा राशि काटी गई थी और इन किसानों को करीब 9 करोड़ रुपए की क्लेम राशि एक-दो दिन में मिलने वाली थी, लेकिन समय रहते मामले का खुलासा हो गया। उनके अनुसार पूरे राज्य में 15 हजार किसानों के नाम पर 1150 करोड़ रुपए के घोटाले की आशंका है।

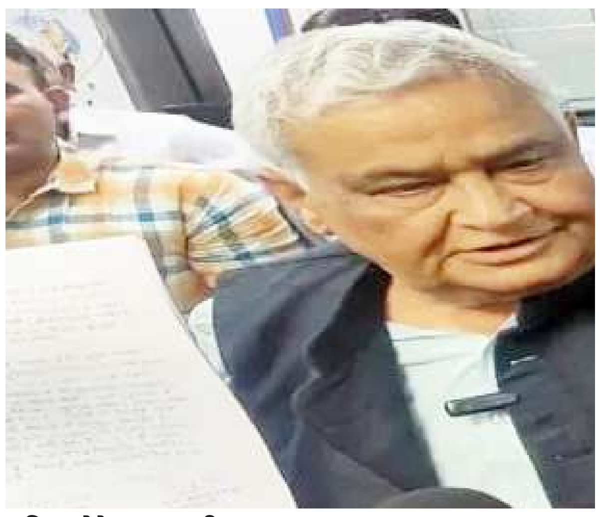

पिता-बेटे का एक ही नाम

सालासर शाखा में जिन 71 किसानों का कृषि फसल बीमा किया गया, उनमें से अधिकांश मामलों में किसान और उनके पिता का नाम एक ही पाया गया। जैसे अजय कुमार नायक के पिता का नाम अजय कुमार नायक, अनिल सारस्वत के पिता का नाम अनिल सारस्वत, अंकिता सारस्वत के पिता का नाम अंकिता सारस्वत, अनुज सारस्वत के पिता का नाम अनुज सारस्वत दर्ज है। इस प्रकार फर्जीवाड़ा सामने आया। गजनेर क्षेत्र में सालासर के किसानों की भूमि दर्शाकर बीमा किया गया, जबकि गजनेर तहसीलदार ने राजस्व रिकॉर्ड मिलान के बाद राज्य सरकार को रिपोर्ट दी कि संबंधित नामों से कोई कृषि भूमि, खसरा या रकबा दर्ज नहीं है। तहसीलदार की 9 फरवरी की रिपोर्ट के बाद कृषि विभाग हरकत में आया।

कृषि मंत्री का आरोप

कृषि मंत्री ने बताया कि यहां बीमा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी (एआईसी) ने किया था। कंपनी का यह फर्जीवाड़ा भुगतान से पहले ही पकड़ में आ गया। मंत्री के अनुसार राज्य में केसीसी धारकों की संख्या 67 लाख 25 हजार है, जिनमें से 21 लाख 52 हजार सरकारी बैंकों में हैं और इनमें एसबीआई में 7 लाख 28 हजार खाते हैं। सालासर शाखा के 71 किसानों में प्रत्येक को 12 लाख रुपए और कुल करीब 9 करोड़ रुपए मिलने थे। मंत्री का दावा है कि 15 हजार किसानों के नाम पर भूमि ही नहीं थी, फिर भी उन्हें बेनामी जमींदार दिखाया गया। सालासर के 71 किसानों की भूमि गजनेर के चक ग्राम 11 एनबीएम, 7-8 टीपीएम, 1-2-3 टीपीएसएम, 6-7-8-9 एनबीएन, 6-7 डब्ल्यूएम और 3-4-5-6 टीपीएम में फर्जी दर्शाई गई है।

संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया शाखा प्रबंधक

कृषि मंत्री ने शाखा प्रबंधक उमेश कुमार से मामले की जानकारी मांगी, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। मंत्री ने संबंधित पत्रावलियां भी मांगीं, जो उपलब्ध नहीं कराई गईं। इससे लोगों में और चिंता बढ़ गई कि बैंक में बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है।

ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीर

मंत्री के बैंक पहुंचकर जांच करने के दौरान ग्रामीणों में चिंता का माहौल दिखाई दिया। ग्रामीणों का कहना था कि वे अपनी जमा पूंजी सुरक्षित रखने के लिए बैंक में पैसा रखते हैं, लेकिन यदि बैंक में ही इस प्रकार की अनियमितताएं हों तो आमजन किस पर भरोसा करे। मंत्री किसानों के नाम पर हुए इस घोटाले को लेकर नाराज दिखाई दिए और कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जांच के बाद दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं शाखा प्रबंधक से जब इस संबंध में प्रतिक्रिया लेनी चाही गई तो उन्होंने कहा कि वह फिलहाल इस मामले में कुछ नहीं कहना चाहते।

चार दिवसीय संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का शुभारंभ शुक्रवार को जिला मुख्यालय के गांधी खेल मैदान में पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के कर कमलों से हुआ। सभी अतिथियों ने मेले में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया। साथ ही चिकित्सकों द्वारा मेले में दिए जा रहे उपचार की जानकारी ली। भगवान धन्वंतरी एवं महर्षि चरक की तस्वीर पर द्वीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। आयुर्वेद विभाग के अधिकारियों ने अतिथियों का माला व दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आयुष चिकित्सा के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का उन्नयन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नये चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। आयुर्वेद एवं हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक स्वास्थ्य को बनाए रखने पर जोर देती है, आयुर्वेद ने केवल बीमारियों का इलाज करता है, बल्कि यह रोग के मूल कारण को भी दूर करता है। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि संभाग स्तरीय मेले के माध्यम से जिले के लोगों को आयुष चिकित्सा का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति हमारी विरासत है। युवा पीढ़ी को पाश्चात्य खानपान के स्थान पर मोटे अनाज का उपयोग करना चाहिए, ताकि वे शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि आयुष भारतीय संस्कृति एवं परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। यह स्वस्थ जीवन शैली का आधार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने योग को विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। आज अन्य देश भी योग व आयुर्वेद को अपना रहे हैं। पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अपना कर हम लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। हमारी धरती पर मौजूद औषधीय पौधे हर रोग के उपचार के लिए प्रभावी है। का्यक्रम के दौरान यूनानी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मां वाउचर योजना के लाभ की जानकारी देते हुए नाटक का मंचन किया। साथ ही युवाओं ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। इस दौरान आयुष विभाग के अजमेर संभाग स्तरीय अधिकारी अतिरिक्त निदेशक डॉ. चेतन त्रिपाठी, अतिरिक्त निदेशक डॉ. शिव सिंह, रजिस्ट्रार नर्सिंग काउंसलिंग जयपुर के डॉ. मुख्यतार सिंह, उप-निदेशक भीलवाड़ा डॉ. महाराज सिंह, स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. आशीष सोनी, उप-निदेशक टोंक डॉ. रामसहाय बैरवा, सहायक निदेशक डॉ. नरेश जोशी, सहायक निदेशक अजमेर डॉ. कपिलेश, भाजपा नेता ओम प्रकाश गुप्ता समेत आयुष विभाग के चिकित्सक, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जो भगवान की वाणी को बैठकर सुनते है, भगवान उसके अन्दर बैठ जाते हैं-प्रसन्न सागर

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के मंगल प्रवेश में उमड़े श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का निवाई नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया क आचार्य ससंघ का मंगल जुलुस जमात में स्थित वर्धमान सर्विस सेंटर से गाजे बाजे के साथ रवाना होकर जमात, राधा दामोदर सर्किल, कुण्डो के पास शकुंतला देवी, लालचंद, विपुल कुमार जैन कठमाणा द्वारा पाद् प्रक्षालन एवं पुष्प वर्षा करके स्वागत किया एवं आरती करके अगुवानी की। आचार्य के स्वागत सत्कार में जगह जगह स्वागत तोरण द्वार लगाएं गए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह चरण प्रक्षालन एवं आरती कर स्वागत किया गया। जुलूस में श्रद्धालुओं ने जैन साधु देख लो त्याग करना सीख लो, स्वागत की हे तैयारी आ रहे हे पुष्पदंत धारी सहित कई श्लोगनो से जयधोष किया गया। उन्होंने बताया कि मंगल प्रवेश जुलुस दामोदर सर्किल से रवाना होकर पुलिस थाना होते हुए पारसनाथ उद्यान नसिंया जैन मंदिर पंहुचा। जहाँ आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ के दर्शन करके पूजा अर्चना करते हुए धर्म सभा को सम्बोधित किया। धर्म सभा से पूर्व मंगलाचरण मुनि नेगम सागर महाराज ने किया एवं उपाध्याय पीयूष सागर महाराज व मुनि सहज सागर महाराज ने भी सम्बोधित किया। आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने कहा कि राग से राग करोगे तो हमेशा दुखी रहोगे एवं वीतराग से राग करोगे तो भी दुखी रहोगे। उन्होंने कहा कि राग करो वीतरागी से, वीतरागी से वीतराग करो तो नरक भी स्वर्ग बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान की वाणी जो बैठकर सुनता है उसके अन्दर भगवान बैठ जाते हैं। उन्होंने कहा कि निवाई एक धर्म नगरी है इसलिए हम निवाई धर्म नगरी को देखने आए है। उन्होंने कहा कि अगर मनुष्य हो तो रात्रि में भोजन नहीं करना है क्योंकि रात्रि में भोजन करना महापाप है। उन्होंने कहा कि निवाई के भक्तजन राग द्वेष में विश्वास नहीं करते हैं। वह तो दिगम्बर की पिच्छिका कमण्डलु में विश्वास रखते हैं तथा दिगम्बर सन्त की चर्या से मतलब है। उन्होंने कहा कि भक्ति ही संसार व संस्कार है। मीडिया संयोजक राकेश संधी ने बताया कि दोपहर में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का दरबार लगाया गया। जिसमें सभी आचार्य एवं आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की संगीतमय पूजा अर्चना भक्ति पूर्वक की गई।

जनगणना कार्य को त्रुटिरहित एवं गुणवत्तापूर्ण संपन्न करें- जिला कलेक्टर

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। भारत की जनगणना- 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के तहत जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को जिला मुख्यालय के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुई। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने जनगणना कार्य को पूर्ण गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित करने के निर्देश दिए, ताकि यह कार्य सही व त्रुटि रहित रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को त्रुटि रहित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों को जनगणना कार्य को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए पारदर्शिता एवं सटीकता के साथ डेटा संकलन करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य निदेशालय जयपुर से उपनिदेशक प्रियंका शर्मा एवं कल्पना मथुरिया द्वारा संबंधित जिला में चार्ज स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एडीएम रामरतन सौकरिया, उप जिला जनगणना अधिकारी चारू पारीक एवं जिला में चार्ज स्तर के अधिकारी तथा जनगणना से जुड़े कार्मिक उपस्थित रहे।

बजरी से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा के निर्देशानुसार क्षेत्र में अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस की विशेष टीम का गठन किया।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े हुए शामिल

ब्रह्म सावित्री वेद विद्यापीठ के रजत जयंती समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

अजमेर, (मोहित जैन)। पुष्कर की पावन धरा पर स्थित ब्रह्म सावित्री वेद विद्यापीठ के तीन दिवसीय रजत जयंती समारोह एवं वार्षिक महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को अत्यंत भव्य वातावरण में हुआ। इस अवसर पर आयोजित दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विद्यापीठ परिसर पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा उन्होंने मृत्युंजय महादेव के दर्शन कर विधिवत पूजन अर्चन किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि वेद जीवन जीने का संविधान हैं। वे मानव को आदर्श आचरण, संयम और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों की दिव्य अनुभूतियाँ वेद मंत्रों के रूप में अभिव्यक्त हुई हैं। इसे श्रुति परंपरा के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी संजोया गया। उन्होंने औपनिवेशिक शिक्षा पद्धति के कारण गुरुकुल व्यवस्था के खंडित होने का उल्लेख करते हुए कहा कि आज ऐसे संस्थान भारत की आत्मा को पुनः जागृत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब विश्व में विश्वविद्यालय की कल्पना भी नहीं थी तब भारत में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविख्यात शिक्षाकेंद्र थे। यहां विदेशी शोधार्थी अध्ययन के लिए आते थे। उन्होंने कहा कि वैदिक पाठी यदि उच्च पदों पर आसीन हों तो समाज को सही दिशा मिलेगी और भारत पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित होगा।

राष्ट्रीय संत स्वामी श्री गोविंददेव गिरी महाराज ने कहा कि पुष्कर तीर्थराज की भूमि पर यह आयोजन भारत की सनातन चेतना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि विजय एकादशी के दिन दीप प्रज्वलन के साथ 36 वर्ष पूर्व इस प्रतिष्ठान की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि वेद जैसी कोई माँ नहीं है, वेद सर्वहिताय हैं और भारत की समस्त परंपराएं वेदों से ही आश्रित हैं। इंडियन नॉलेज सिस्टम का मूल भी वेदों में निहित है।

इस अवसर पर विद्यापीठ के अध्यक्ष आनंद राठी ने बताया कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं बल्कि वेदों के संरक्षण, संवर्धन एवं भावी पीढ़ी में संस्कार निर्माण का महाअभियान है। विद्यापीठ के सचिव संदीप झवर ने बताया कि यह संस्थान एक कमरे से प्रारंभ होकर आज विशाल स्वरूप में विकसित हुआ है। 22 दिवसीय घन पारायण में द्वादश वैदिक पारायणकर्ताओं ने निरंतर पाठ कर वेद परंपरा को जीवंत बनाए रखा।दीक्षांत समारोह में 22 दिनों तक शुक्ल यजुर्वेद का घन पारायण करने वाले 12 घनपाठियों को सम्मानित किया गया। पारायण के निरीक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए गुरु श्री प्रशांत, विजय भालेराव एवं निखिल भालेराव का विशेष रूप से सम्मान किया गया। सभी घनपाठियों को सम्मान पत्र एवं पारितोषिक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, पुलिस महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह, जिला कलक्टर लोकबंधु, जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित अन्य अधिकारी, संत, वैदिक विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शिव मन्दिर पर दो दिवसीय महोत्सव का आगाज, धूमधाम से निकाली मंगल कलश यात्रा का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। बर्डोद कस्बे के अलवर-बहरोड स्टेट हाईवे स्थित पुरानी सब्जीमण्डी प्रांगण में श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है। यहाँ सब्जीमण्डी व्यापार सेवा समिति एवं नगर पालिका वासियों के संयुक्त तत्वावधान में शिव हनुमान मन्दिर पर दो दिवसीय भव्य महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन शुक्रवार को कस्बे में भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई।

भक्तिमय माहौल में थिरकीं महिलाएँ : महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार सुबह मंदिर परिसर में विधिवत मंत्रोच्चार और वरुण देव की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात, 151 महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा शुरू की।डीजे पर बज रहे भक्तिमय भजनों और धार्मिक धुनों पर महिला श्रद्धालु नाचती-झूमती नजर आईं मार्ग: यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर कस्बे की मुख्य चौपालों और प्रमुख मार्गों से गुजरी। पूरे रास्ते जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा बुधवार रात्रि मंदिर परिसर में सामूहिक 'सुन्दरकाण्ड' पाठ का आयोजन शनिवार सुबह भव्य हवन-यज्ञ और आहुतियां।शनिवार दोपहर पूर्णाहुति के बाद महाप्रसाद का भोग एवं विशाल भंडारा कलश यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में स्थानीय ग्रामीणों व युवा कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।समिति ने सभीक्षेत्रवासियों से शनिवार को आयोजित होने वाले भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने का निवेदन किया है।

सड़क बचाओ संघर्ष समिति द्वारा 43वें दिन भी जारी रहा अनिश्चितकालीन धरना

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कांसली-शुक्लावास सडक़ को भारी वाहनों के आतंक से बचाने के लिए ग्रामीणों का संघर्ष अब एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है। 'सडक़ बचाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले जारी अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 43वें दिन में प्रवेश कर गया। कड़ाके की ठंड और सर्द रातें बीत जाने के बाद अब बसंत ऋतु का आगमन हो चुका है, लेकिन प्रशासन के अड़ियल रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है।ग्रामीणों का आरोप है कि धरने के शुरुआती 5 दिनों में प्रशासन ने भारी वाहनों की आवाजाही रोकने का लिखित आश्वासन दिया था। इसके बावजूद 'अल्ट्रा प्राइम क्रेशर' के डंपर लगातार इस ग्रामीण सडक़ को रौंद रहे हैं। प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग की इस चुप्पी से ग्रामीणों में गहरा रोष है।

खतरे में बचपन और राहगीर : सडक़ की स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि स्कूली बच्चों का घर से निकलना दूभर हो गया है।सडक़ संकरी होने के कारण दुपहिया वाहनों को साइड तक नहीं मिलती।भारी डंपरों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।न्यायालय में भी पहुंची जंगधरना संयोजक राधेश्याम शुक्लावास ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक भारी वाहनों की आवाजाही पूर्णत: बंद नहीं होगी, यह मोर्चा खाली नहीं होगा। गौरतलब है कि इस सडक़ को बचाने की यह लड़ाई अब राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका (क्कढ्ढरु) के रूप में विचाराधीन है। धरने पर जिसुख यादव, लटुर मीणा, शिम्भुदयाल यादव,सत्यनारायण यादव, कमला देवी यादव, रामरत देवी यादव, सन्तोष देवी मीणा, सोनी देवी मीणा, पंच अशोक यादव, सूरज मल मीणा, मोहनलाल मीणा, मुकेश देवी, फूली देवी, पप्पू यादव, गिरीराज मीणा सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक हंसराज पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को लिखा पत्र

सैनी, माली, मौर्य, शाक्य, कुषवाहा, सुमन व भोई आदि समाज की 11 सूत्रीय मांगों को पूरा किये जाने की मांग

बढ़ता राजस्थान

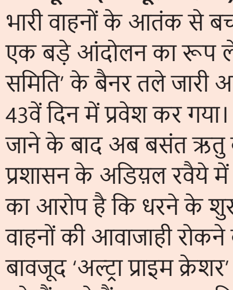

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखकर सैनी, माली, मौर्य, शाक्य, कुशवाहा, सुमन व भोई आदि समाज की आरक्षण सहित 11 सूत्रीय मांगों को जल्द से जल्द पूरा किये जाने की मांग की हैं। पत्र में बताया कि इस सम्बंध में सैनी आरक्षण संघर्ष समिति राजस्थान के प्रदेषाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश सैनी द्वारा ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया गया हैं जिसमें उक्त समाज को अलग से 12 प्रतिषत आरक्षण,महात्मा ज्योतिबा फूले बोर्ड को श्री देवनारायण बोर्ड की तर्ज पर वित्तीय एवं प्रषासनिकअधिकार दिये जाकर बोर्ड मेंपदाधिकारियों की नियुक्तियां अतिषीघ्र कर संत श्री लिख्मीदास जी महाराज जन्मस्थली नागौर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने, सैनी आरक्षण के दौरान युवाओं पर दर्ज मुकदमें वापस लेने, बागवानी विकास बोर्ड का गठन करने, फूले दंपति को भारत रत्न से सम्मानित करने हेतु केन्द्र सरकार को अनुषंषा समेत भारतीय सेना में सैनी रेजिमेंट का गठन करने सहित 11 सूत्रीय विभिन्न मांगों को जल्द से जल्द निस्तारित किये जाने पर सहानुभुतिपूर्वक विचार कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की हैं।

बापजी :महाराजा ऑफ मारवाड़ जोधपुरः दी किंग हू वुड बी मैन पुस्तक का हुआ विमोचन

बढ़ता राजस्थान

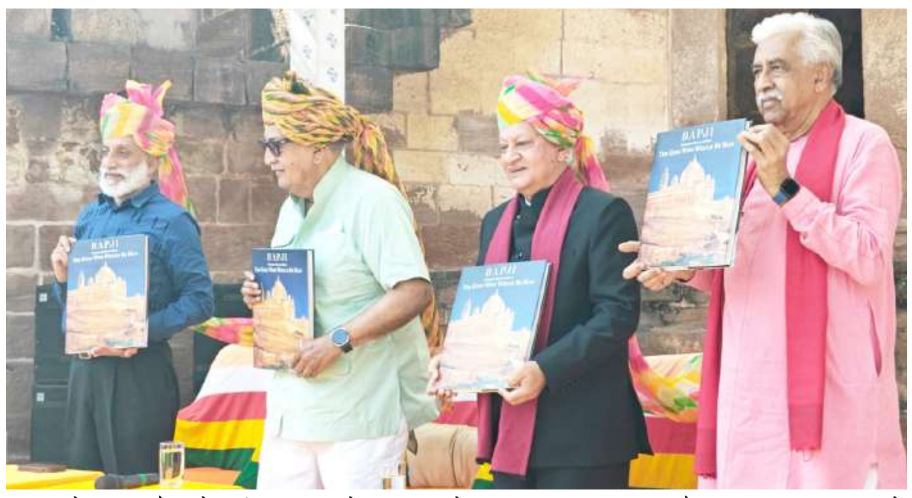

जोधपुर,(रंजन दवे) । पूर्व नरेश गज सिंह कि असाधारण व उल्लेखनीय जीवन यात्रा पर आधारित पुस्तक बापजी महाराजा आफ मारवाड़ जोधपुर 'दी किंग हू वुड बी मैन ' का शुक्रवार को मेहरानगढ़ फोर्ट के चौकेलाव गार्डन में पूर्व नरेश गज सिंह द्वारा विमोचन किया गया । इस अवसर पर महारानी हेमलता राज्ये लेखक अमन नाथ व योगी वैद्य उपस्थित रहे। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अजय सिंह शेखावत ने बताया की यह पुस्तक लेखक अमननाथ व योगी वैद्य द्वारा लिखी गई है एवं मैपिंग पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित की गई है । पुस्तक 185 पृष्ठ की है ।इसमें गज सिंह व जोधपुर राज परिवार के दुर्लभ और नये चित्रों का समावेश किया गया है । पुस्तक में महाराजा गज सिंह व जोधपुर राज परिवार के बारे में बेहतरीन जानकारी का उल्लेख किया गया है । विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व नरेश गज सिंह जी ने कहा कि काफी समय से लोगों द्वारा कहा जा रहा था कि उनके बारे में एक पुस्तक लिखी जाए । लेखक अमननाथ व योगी वैद्य द्वारा यह अच्छा व सराहनीय प्रयास किया गया और उनकी जीवन यात्रा के बारे में पुस्तक लिखी गयी भी है । डॉ महेंद्र सिंह तँवर ने भी इन दोनों का सहयोग किया । उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में अपनी विरासत को संभालना और उसे दुनिया भर में पहचान देना 'द किंग हू वुड बी मैन ' की सच्ची कहानी है । पुस्तक में उनके व राजपरिवार के बारे में लिखा गया है । अनेक दुर्लभ चित्र इसमें लगाए गए हैं जो पहले कही प्रकाशित नहीं हुए । अनेक नए चित्र भी शामिल किए गए हैं । उनके जन्म से लेकर अब तक की जीवन यात्रा के बारे में इसमें बेहतर तरीके से उल्लेख किया गया है । राज परिवार के बारे में उल्लेख किया गया है । राज परिवार का जनता से सीधे जुड़ाव का उल्लेख किया गया है । यह पुस्तक पर्याप्त पठनीय व सांस्कृतिक महत्व की पुस्तक है । उन्होंने कहा उनके जन्म के चार वर्ष की उम्र में पिता महाराजा हनवन्त सिंह जी की कम उम्र में ही हवाई दुर्घटना में निधन के बाद संघर्षमय व विकट परिस्थितियों में 4 वर्ष उम्र में ही उनका महाराजा के रूप में राजतिलक होना ,मां राजमाता कृष्णा कुमारी द्वारा मुझे व बहनों को पढ़ाई के लिए बाहर भेजना ,8 वर्ष की उम्र में उन्हे इंग्लैंड पढने भेजना उनका एक सही व हिम्मतवाला निर्णय था । इस अवसर पर महाराजा गज सिंह जी के इंग्लैंड में कॉलेज के मित्र डेविड कैंविल,प्रिंस जॉर्ज गिलिट्सिन, कैपवेल सहित चौपासनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष रावल किशन सिंह ,गायत्री कुमारी, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र के सहायक निदेशक डॉ महेंद्र सिंह तँवर,सीनियर सिक्योरिटी मैनेजर किशनवीर सिंह राठौड़ सहित अनेक लोग उपस्थित थे । मेहरानगढ़ म्यूजियम की क्यूरेटर सुनैयना राठौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

बेटियों की शिक्षा और स्वावलंबन ही सशक्त राष्ट्र का आधारः राधा पटेल

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का गरिमामय समापन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के डाबला रोड स्थित श्रीमती पाना देवी राजकीय कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह शुक्रवार को उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि राधा पटेल उपस्थित रहीं।

शिक्षा से आत्मनिर्भरता का संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राधा पटेल ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से ही आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और विकास कार्यों की सराहना करते हुए छात्राओं को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की और महाविद्यालय को भविष्य में हर संभव सहयोग दिलाने का आश्वासन दिया। हीरालाल रावत (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा): उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षित बेटियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ह्रस्र् छात्राओं के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। मिथलेश पटेल (विशिष्ट अतिथि) उन्होंने स्वयंसेविकाओं को परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी, ताकि वे सुखी परिवार और मजबूत राष्ट्र की नींव रख सकें। शंकर लाल कसाना (वरिष्ठ भाजपा नेता) उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

प्रतिभाशाली स्वयंसेविकाएँ सम्मानित

शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।प्रथम स्थान मुस्कान, हेमलता यादव, मुस्कान यादव द्वितीय स्थान लक्षिता, करिश्मा, ललिता उत्कृष्ट प्रदर्शन निधि, कोमल, दीक्षा, बिंदु, नेहा, वर्षा, खुशबू, निशा, तन्नू, धन्वंतरिसमारोह की झलकियाँ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. आर. पी. गुर्जर ने की, जिन्होंने वर्षभर की गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। शिविर संयोजक डॉ. जगराम गुर्जर ने सात दिनों तक चली विविध गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट पेश की।डॉ. प्रिया एवं यामिनी यादव,मंच संचालनः डॉ. विमल यादव,प्रो. भावना चौधरी, बिशंबर दयाल, प्रो. ओमप्रकाश कपूरिया, प्रो. चंद्र प्रभा, प्रो. प्रतिभा पोसवाल, प्रो. रितिका जैन सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ।

भूगोल परिषद के तत्वावधान में राजकीय महाविद्यालय में आयोजित हुई अनेक प्रतियोगिताएं

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में भूगोल परिषद के तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन 12 एवं 13 फरवरी को आयोजित किया गया। 12 फरवरी को निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः ज्योति बाई डांगायत, दीपिका कुमारी शर्मा एवं निशा सैनी ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः प्रियंका सोनी, ज्योति बाई ढांगावत एवं चांदनी ने प्राप्त किया। 13 फरवरी को प्रश्नोत्तरी एवं पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पृथ्वी हाउस के विद्यार्थियों ने तथा द्वितीय स्थान पर जल एवं अग्नि हाउत्त के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से स्थान प्राप्त किया। नीरज यादव ने वर्तमान के ज्वलंत मुद्दे अरावली संरक्षण पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रदान किया। जिसकी प्राचार्य ने प्रशंसा की और कहा कि आप सभी के लिए कौशल सुधार का अच्छा मंच है, जिसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में डॉ. देशराज वर्मा डॉ. जगजीत सिंह कविया, डॉ. अंशु महलावत, डॉ. राकेश मीणा, रामकेश मीणा, डॉ. मोनिका मीणा ने अपनी भूमिका निभाई। भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. जगफूल मीना के निर्देशन में सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। परिषद के कार्यक्रमों के संयोजन के कार्य प्रोफेसर चित्रा मीणा ने किया। डॉ. चिरंजी लाल रैगर ने भूगोल विषय में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला साथ ही भौगोलिक भ्रमण कराए जाने की आगामी सूचना दी। कार्यक्रम में डॉ. सुमेर सिंह बैरवा, डॉ. आंचल मीणा, डॉ अशोक कुमार काकोडिया, डॉ प्रकाश चंद मीना, डॉ अनिल शर्मा, डॉ संजय बामनवत, अंशिका त्यागी, कपिल कुंडारा, प्रताप सिंह एवं भूगोल विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जैसलमेर बॉर्डर पर तनोट माता मंदिर दर्शन के लिए वेबसाइट पर करना होगा पूर्व आवेदन

बढ़ता राजस्थान

जैसलमेर,(रंजन दवे)। भारत-पाक सीमा पर बॉर्डर विजिट और तनोट माता मंदिर के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।श्री तनोट माता मंदिर ट्रस्ट ने सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए सीमा-दर्शन के लिए ऑनलाइन बॉर्डर पास व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है।ट्रस्ट की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, अब किसी भी आगंतुक को बिना पूर्व पंजीकरण के बॉर्डर क्षेत्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।लंबी कतारों और प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए यह व्यवस्था की जारही है। श्रद्धालुओं को यात्रा से पहले ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद पास की कॉपी आवेदक के पंजीकृत ई-मेल पर भेजी जाएगी।श्रद्धालुओं को अपने पास की दो प्रिंटेड प्रतियाँ साथ लाना अनिवार्य होगा। ट्रस्ट के पदाधिकारियों का कहना है कि सीजन के दौरान उमडने वाली भारी भीड़ के कारण चेक-पोस्ट पर सत्यापन में काफी समय लगता था। ऑनलाइन व्यवस्था से न केवल सुरक्षा एजेंसियां डेटा को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकेंगी, बल्कि श्रद्धालुओं को भी घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 12 साल के बच्चों को इस व्यवस्था से मुक्त रखा गया है।

जहर से नहीं हुई साध्वी प्रेम बाईसा की मौत

कथावाचक साध्वी की संदिग्ध मौत मामले आई एफएसएल जांच रिपोर्ट, अब पोस्टमार्टम बोर्ड बताएगा वजह

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर,(रंजन दवे) । कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध मौत के मामले में एफएसएल रिपोर्ट आ चुकी है । प्रारंभिक तौर पर रिपोर्ट में साध्वी को जहर देने या दूसरे अप्राकृतिक कारणों से मौत होने की पुष्टि नहीं हुई है । इसके साथ ही उनके साथ किसी तरह की गलत घटना के सबूत भी नहीं मिले हैं । मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर एफएसएल जांच रिपोर्ट का विश्लेषण कर मृत्यु का कारण निकालेंगे।डीसीपी वेस्ट विनीत कुमार बंसल के जरिए मेडिकल बोर्ड को भेजी गई है । स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) साध्वी की मौत को लेकर कई एंगल से जांच कर रही है । सूत्रों के मुताबिक एफएसएल जांच में साध्वी प्रेम बाईसा की मौत को लेकर लगाई जा रही अटकलें बेदम साबित हुईं हैं । उनके साथ किसी तरह की गलत घटना के सबूत भी रिपोर्ट में नहीं मिले हैं। जांच रिपोर्ट में जहर अथवा अप्राकृतिक कारणों से साध्वी की मृत्यु होने की पुष्टि भी नहीं हुई है। स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) ने विभिन्न बिन्दुओं पर विसरा जांच रिपोर्ट मांगी थी। एसआईटी प्रमुख एसीपी छवि शर्मा के अनुसार अब पोस्टमार्टम करने वाले मेडिकल बोर्ड के डॉक्टर रिपोर्ट का एनालिसिस कर मौत के कारणों का खुलासा करेंगे । साध्वी प्रेम बाईसा को अस्थमा की बीमारी होने का भी पता लगा। अस्थमा में गत 28 जनवरी को साध्वी प्रेम बाईसा को जुकाम हो गया था। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी गई थी। साध्वी ने मेल नर्स देवीसिंह को बुलाया था। जिसने डेक्सोना व डायनापार इंजेक्शन लगाए थे। साध्वी के बीमार होने के बाद उन्हें प्रेक्षा हॉस्पिटल ले जाया गया था , जहां उन्हें मृत घोषित किया गया था । पिता बिरमनाथ की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर 29 जनवरी को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया था एफएसएल जांच के लिए प्रिजर्व विसरा को दो फरवरी को एफएसएल भेजे गए थे। 11 दिन में एफएसएल जांच पूरी की जा सकी।एसआईटी ने प्रेक्षा हॉस्पिटल के मालिक , डॉक्टर और अन्य स्टाफ के अलावा करीब 40 अन्य लोगों भी पूछताछ की है जिनसे 500 पन्नो से अधिक दस्तावेज नोट्स बनाये हैं।अब एफएसएल जांच रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद महात्मा गांधी अस्पताल के डॉक्टर मृत्यु का कारण निकालेंगे।

भगवान शिव की कृपा चाहते हो तो अर्पण से ज्यादा समर्पण पर ध्यान दो-डॉ शिवम् साधक महाराज

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़(अलवर)। अपना घर शालीमार श्री राम मंदिर में चल रही शिव कथा के पंचम दिवस शुक्रवार को डॉक्टर शिवम साधक महाराज ने सुनाया कि भगवान शिव की कृपा चाहते हो तो अर्पण से ज्यादा समर्पण पर ध्यान दो भगवान इतनी जल्दी किसी वस्तु से प्रसन्न नहीं होते जितनी जल्दी हमारे समर्पण भाव से प्रसन्न हो जाते है ओर समर्पित करने योग्य भगवान को कोई वस्तु है तो वो है हमारा मन, जिसने अपना मन भगवान को अर्पण कर दिया वह जीवन का सबसे सफल व्यक्ति है अपने अनुसार सब कुछ ना चले भगवान जैसा चला रहे है वैसे ही हमारे विचार बन जाए भगवान की इच्छा में ही हम अपनी इच्छा को मिला दे साथ ही भगवान शिव एवं माँ पार्वती की हल्दी की रस्म , लगन की रस्म में सभी भक्तो ने झूमते हुए खूब आनन्द लिया। भोले बाबा एवं माँ पार्वती की हल्दी की रस्म एवं लगन की रस्म के साथ साथ एक कन्या जिसका विवाह होना है उसकी भी हल्दी की रस्म एवं लगन की रस्म करवाई गयी। शाम को 5 बजे से 7 बजे तक दिव्य चन्दन दरबार लगा जिसमे अनेक पीडितो की पीड़ा को महाराज जी ने सुना ओर उनकी पीड़ा का निवारण किया। रात्रि में भोले बाबा की एवं माँ पार्वती के पावन विवाह उत्सव में महिला संगीत का आनन्द लेते हुए सभी भक्त भावुक हो गए। साधक सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. एस. सी. मित्तल ने बताया कि ब्रह्मलीन परम पूज्य भक्ति सम्राट संत गुरुजी शिवानन्द साधक महाराज (डेरा वाले बाबा - श्रीधाम वृन्दावन) की असीम अनुकम्पा एवं परम पूज्य डॉ शिवम् साधक जी महाराज के सानिध्य में शिव कृपा आनन्द महोउत्सव शिव कथा का आयोजन अलवर की पावन धरा पर रविवार 8 फरवरी से लगातार दोपहर 1 से 4 बजे तक श्री राम मंदिर , अपना घर शालीमार, अलवर (राजस्थान) में चल रहा है जो आगामी 15 फऱवरी तक लगातार चलेगा। कार्यक्रम में भगवान् शिव की विशेष कृपा की वर्षा हम सभी पर होने वाली है जिसमे सुन्दर शिव कथा का आयोजन किया जा रहा है। रात्री में रोज रोज नए नए उत्सवो का आनन्द लेंगे ओर महाशिवरात्रि के दिन 108 महा विशेष रुद्राभिषेक किये जायेंगे उसके बाद भगवान् शिव की सुन्दर यात्रा बारात निकलेगी ओर इसमें एक कन्या का विवाह भी कराया जाएगा। शनिवार को हिंडोला उत्सव एवं मुकुल दिवेदी भजन संध्या का आयोजन होगा वही कार्यक्रम के आखरी दिन 15 फऱवरी को 108 अभिषेक एवं ज्योतिर्लिंग पूजन का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को आयोजित कथा के यजमान मदनलाल गुप्ता, डॉ एस सी मित्तल, अल्का मित्तल, राकेश गोयल, संदीप अग्रवाल,भावना अग्रवाल, राजेश शर्मा , पूजा शर्मा , सुभाष मित्तल, अनिल बंसल और गिरीश गुप्ता विराजमान रहे।

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की नवीनीकृत आईपीआईए शाखा का भव्य उद्घाटन

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की नवीनीकृत आईपीआईए शाखा का उद्घाटन समारोह 13 फरवरी 2026 को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शाखा भवन का शुभारंभ बैंक के आंचलिक प्रमुख श्री शीशराम तुन्दवाल एवं एसएसआई एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य श्री गोविंदराम मित्तल द्वारा फीता काटकर किया गया।

कार्यक्रम में कोटा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव त्यागी, बैंक के अधिकारीगण, कर्मचारी एवं शाखा के सम्माननीय ग्राहकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने नवीनीकृत शाखा की सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आधुनिक बताया।

आंचलिक प्रमुख तुन्दवाल ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक ग्राहकों को बेहतर, तेज और सुरक्षित बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवीनीकृत शाखा में आधुनिक बैंकिंग अवसंरचना, बेहतर ग्राहक सेवा व्यवस्था तथा डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्राहकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। उद्घाटन समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

चार नकाबपोश बदमाशों ने दिया चोरी की घटना को अंजाम

बढ़ता राजस्थान

लाखेरी (विश्वनाथ शर्मा)। शुक्रवार को शहर में अल सुबह नकाबपोश चार बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर हाथ साफ किया। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 4 बजे शहर के देव नगर में स्थित एक कार सर्विस की दुकान के बाहर खड़ी मोटर साइकिल को चार नकाबपोश आए और मोटर साइकिल को चोरी कर ले गए।यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

चोरी के दौरान बदमाशों ने पास के एक मकान के फाटक का ताला भी तोड़ दिया, लेकिन घर के लोग जाग जाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए। चोरी की घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज करवा दी गई है।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। चोरी की घटनाओं को लेकर शहर में दशक का माहौल बना हुआ है।

बूंदी पुलिस ने 15 लाख की कीमत के 70 गुमशुदा मोबाइल किए बरामद, चेहरों पर लौटी मुस्कान

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। जिला पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से गुम हुए 70

मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए हैं। बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की कुल बाजार कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

सी ई आई आर पोर्टल बना मददगार: जिला पुलिस अधीक्षक बूंदी राजेन्द्र कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 'विशेष साइबर अभियान' चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बूंदी पुलिस ने सी ई आई आर पोर्टल की मदद ली। तकनीकी विश्लेषण और कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने जिले के अलग-अलग थानों क्षेत्र से गुम हुए 70 मोबाइल ट्रेस कर बरामद किए।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सौंपे गए मोबाइल: पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एसपी राजेन्द्र कुमार मीणा ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ कीमती फोन और डेटा वापस पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने बूंदी पुलिस का आभार व्यक्त किया। कार्यवाही टीम: इस सफलता में जिले के विभिन्न थानों की विशेष टीमों और साइबर सेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने तकनीकी डेटा का विश्लेषण कर इन मोबाइलों को ढूंढ निकाला।

एसपी की आमजन से अपील : जिला पुलिस अधीक्षक ने जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि आपका मोबाइल फोन चोरी या गुम हो जाता है, तो तुरंत नजदीकी थाने या साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं। नागरिक स्वयं भी सी ई आई आर पोर्टल के माध्यम से अपने गुमशुदा फोन की शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। समय पर सूचना देने से मोबाइल के दुरुपयोग को रोका जा सकता है और बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है।

कोटा महोत्सव के तहत होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। 21 एवं 22 फरवरी को कोटा महोत्सव के तहत आयोजित होने वाली लोकल टेलेंट हंट प्रतियोगिता, घूमर-शो आदि के लिए प्रतिभागी क्यूआर कोड एवं गूगल लिंक के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कोटा महोत्सव के तहत 21 फरवरी को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक लोकल टेलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसके लिए 11 से 18 फरवरी तक प्रतिभागी अपना नाम भेज सकते हैं। लोकल टेलेंट हंट के तहत एकल एवं सामूहिक नृत्य तथा गायन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। 21 फरवरी को सायं 4 से 5 बजे तक आयोजित होने वाले घूमर शो के लिए भी प्रतिभागियों से नाम आमंत्रित किए गए हैं। घूमर शो के लिए प्रतिभागी 11 से 18 फरवरी तक अपने नाम भेज सकते हैं। लोकल टेलेंट हंट प्रतियोगिता एवं घूमर शो में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों द्वारा सायं 6 से 9 बजे तक प्रधानाचार्य संगीत महाविद्यालय रामपुरा कोटा श्री राजकुमार कनाडा से भी संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने किया जेके लोन अस्पताल का निरीक्षण

नए भवन के ओपीडी और आईपीडी ब्लॉक का पूर्ण उपयोग हो

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल एवं जिला कलक्टर श्री पीयूष समारिया ने शुक्रवार प्रातः जेके लोन मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संभागीय आयुक्त ने अस्पताल के नए भवन में ओपीडी एवं आईपीडी ब्लॉक के पूर्ण रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुरानी बिल्डिंग में ओपीडी और आईपीडी में भीड़ रहती है ऐसे में नई बिल्डिंग में उपलब्ध सुविधाओं का पूर्ण रूप से उपयोग कर अस्पताल की व्यवस्थाएं सुचारू की जाएं।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर दोनों ने नई बिल्डिंग में बने नवजात गहन चिकित्सा इकाई (नीकू) एवं पीकू का निरीक्षण किया। उन्होंने नई बिल्डिंग के नीकू वार्ड में बेड खाली रहने के बारे में विभागाध्यक्ष डॉ. एएल बैरवा से जानकारी ली। डॉ. बैरवा ने बताया कि नई बिल्डिंग में नीकू के 36 एवं पुरानी बिल्डिंग में नीकू के 160 बेड उपलब्ध हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि नीकू बेड का पूरी तरह से उपयोग करते हुए जिन नवजात बच्चों को जरूरत है उन्हें यहां शिफ्ट करें ताकि उनकी देखभाल की जा सके। जिला कलक्टर ने नीकू वार्ड के बाहर वेटिंग एरिया में जमीन पर लेटी हुई महिलाओं को देखकर नाराजगी जताई और कुर्सियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर दोनों ने नई बिल्डिंग के कॉटेज वार्डों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कॉटेज वार्ड लगातार खाली पड़े रहने से खराब हो जाएंगे। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा से कॉटेज वार्ड को यूटिलाइज करने का प्लान बनाने को कहा। संभागीय आयुक्त ने कहा कि शिशु विभाग के साथ गायनिक विभाग में भर्ती मरीजों को भी जरूरत पडऩे पर कॉटेज वार्ड उपलब्ध कराएं ताकि इनका उपयोग हो सके। संभागीय आयुक्त ने न्यू बिल्डिंग में खाली पड़े रजिस्ट्रेशन काउंटर शुरू करने, वहां आईपीडी ब्लॉक के बाहर बनाए स्टोर को खाली कर ओपीडी शुरू करने एवं बंद पड़े चार कमरों को खोलकर सीनियर डॉक्टर्स के चेम्बर बनाने के निर्देश दिए।

शिशु वार्ड बी में जिला कलक्टर ने डायरिया होने पर भर्ती बच्ची जेमिसा की मां से बात कर बच्ची के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि सुबह डॉक्टर का राउंड हुआ थ या नहीं? जिला कलक्टर ने अस्पताल परिसर में फर्श पर फिसलन होने पर नाराजगी जताई और बिल्डिंग परिसर की सफाई व्यवस्था के बारे में पूछा। उन्होंने वार्ड की इंचार्ज सीनियर नर्सिंग ऑफिसर संगीता शर्मा से पूछा कि वार्ड में कितनी बार सफाई होती है और कितने सफाईकर्मी कार्य करते हैं? उन्होंने रजिस्टर में सफाई कर्मियों की उपस्थिति दर्ज नहीं होने के बारे में सुपरवाईजर विजय तम्बोली से पूछा। उन्होंने सफाई ठेकेदार पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने जेके लोन अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में लाइटिंग व्यवस्था सुधारने के निर्देश पीडब्ल्यूडी अभियंताओं को दिए। उन्होंने नई बिल्डिंग के ओपीडी ब्लॉक एवं उपलब्ध कमरों को फंक्शनल बनाने के निर्देश अस्पताल अधीक्षक को दिए।

चौगान स्टेडियम में द्वितीय जिला स्तरीय मदरसा खेल महोत्सव 'जोश-2026' का भव्य आयोजन

खेल भावना, अनुशासन और मुख्यधारा से जुड़ाव को बढ़ावा देने हेतु 300 विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय जयपुर की ओर से चौगान स्टेडियम में द्वितीय जिला स्तरीय मदरसा खेल महोत्सव जोश-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मदरसा एवं आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करना, शारीरिक विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें मुख्य धारा की गतिविधियों से जोडऩा रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत ध्वजारोहण एवं खेलों के महत्व पर संबोधन के साथ हुआ इसके बाद खिलाडियों को खेल भावना की शपथ दिलाई गई और विभिन्न प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया गया ।इस अवसर

पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन टीमवर्क और आत्मविश्वास पैदा करने का सशक्त जरिया है। उन्होंने बताया कि मदरसा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभाग द्वारा लगातार नवाचार किए जा रहे हैं । कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसवीर सिंह,राजस्थान प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, कैप्टन मिर्जा बेग सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे । जयपुर जिले के विभिन्न मदरसो से 300 छात्र- छात्राओं एवं मदरसा शिक्षा अनुदेशकों ने भाग लिया । प्रतियोगिताओं में कबड्डी,खो-खो, बैडमिंटन रस्सा-कस्सी शतरंज सहित 50 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया ।सभी विजेता प्रतिभागियों को समापन समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए । भोजन व्यवस्था सामाजिक संगठन जनता सेवा संघ की ओर से की गई । कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन घोषणा के साथ हुआ।

बम्बूली ग्रामीणो ने नैनवाँ वाया इन्द्रगढ़ मार्ग पर 8 घंटे तक लगाया जाम

बढ़ता राजस्थान

नैनवा (टी आर सैनी) । उपखंड क्षेत्र के बम्बूली गांव में निर्माणाधीन सडक़ मार्ग पर पानी के निकासी के लिए दो बड़े नालों की मांग के गई । पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने निर्माणाधीन सडक़ के इस्टीमेंट के आधार पर सडक़ के दोनों और बड़ी नाली निर्माण किया जाकर पानी की निकासी किया जाने का प्रस्ताव रखा । लेकर यह बात ग्रामीणो को नागवार लगी उन्होंने 15 फीट सडक़ पर पानी की निकासी के लिए दो नाले बनाने की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह 10 बजे नैनवा - बम्बूली - इन्द्रगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया । जाम में महिला व पुरुष बड़ी संख्या में मौजूद रहे । जाम से ऐसे हालात बने की इस मार्ग से गुजरने वाले सभी वाहन रुक गये । निर्माणाधीन सडक़ का कार्य भी रुक गया । जाम की सुचना पर सार्वजनिक विभाग के अधिशासी अभियंता हरिराम मीणा,सहायक अभियंता सोनू नगर ,तहसीलदार राम राय मीणा एव पुलिस जाप्ता भी मौके

पर पहुंचे । उन्होंने मौके पर मौजूद महिला एवं पुरुषों से वार्ता की गई । निर्माणाधीन सडक़ पर दोनों और नाली निर्माण का कार्य शुरू करवाने की बात कही गई लेकिन ग्रामीण अपने जिद पर अड़े रहे । उन्होंने बताया कि जब तक सडक़ पर पानी निकासी के लिए दो बड़े नाले नहीं बनाये जाते जब तक जाम नहीं हटाया जाएगा । उन्होंने मौके पर एसडीएम अधिकार को बुला कर लिखित में आश्वासन दिया जाने की भी मांग की गई। ग्रामीणों की समझाएं नहीं होने से पुलिस प्रशासन को बेरिंग लौटना पड़ा ग्रामीणों ने अब आरोप लगाया कि निर्माणाधीन सडक़ पर दो जगह पाइप नहीं रखे गए तो बरसात का पानी उनके बाबा रामदेव मंदिर तक पहुंच जाएगा जिस्से उनको भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा । दूसरी और एक्शन हरिराम मीणा ने बताया कि बरसात के समय नाला अवरुद्ध होने से पानी के निकाह से संभव नहीं है । फिर भी ग्रामीण लिखित में यह लिखकर दे की पानी भरा तो प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा तो ग्रामीणों की मांग के अनुसार पाइप रखे जा सकते हैं । दिन भर जम के हालात से लोग परेशान रहे । 6.बजे की सहदेव मीणा ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समझाइश की इसके बाद जाम हटाया गया ।

बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर प्रतिबंध

जिला कलक्टर ने जारी किया आदेश

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। फरवरी माह में शुरू होने वाली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मध्यनजर एवं आगामी अप्रैल माह में जेईई मेन्स-2026, मई में नीट-2026, 2026 में जेईई एडवांस, की प्रस्तावित परीक्षाओं को देखते हुए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री पीयूष समारिया ने कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1963 की धारा-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संपूर्ण कोटा जिले के नगरीय, कस्बा एवं ग्रामीण क्षेत्रो में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग द्वारा उत्पन्न कोलाहल करने पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। किसी भी प्रकार के आयोजनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल संबंधित स्थानीय कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस की लिखित पूर्व अनुमति के पश्चात ही किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी वर्तमान में पढ़ाई कर रहे हैं और ऐसे में ध्वनि विस्तारक यंत्रो के कोलाहल से उनके अध्ययन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसे देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनुप्रयोग से उत्पन्न कोलाहल पर तुरन्त प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है।

सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बदहाल,बिन सुरक्षा कैसे पढ़ेंगे नौनिहाल : राकेश नायक

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। भाजपा कार्यकर्ताओंभाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश नायक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कोटा स्थित स्कूल शिक्षा के संयुक्त निदेशक कार्यालय पहुंचकर संयुक्त निदेशक आशा मंडावत के घेराव के साथ बूंदी जिले के तालेड़ा क्षेत्र के सीतापुरा के स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल परिसर में विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही से छात्रा तृप्ति सेन पर हुए स्ट्रीट डॉग्स के हमले के विरोध और जांच करके लापरवाह शिक्षकों पर कार्यवाही करने की मांग की ।नायक ने बताया कि शिक्षा के महत्व को समझते

हुए शिक्षा को भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में समवर्ती विषय में रखकर इसके विकास के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का उत्तरदायित्व प्रदान किए गए है साथ ही केंद्र में मोदी के नेतृत्व और राजस्थान में भजनलाल शर्मा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में बालकों को सुरक्षा के साथ शिक्षा प्रदान करने के सार्थक प्रयास भी किए जा रहे है परंतु इन सभी के बावजूद विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ की लापरवाही के चलते बूंदी जिले के तालेड़ा क्षेत्र में स्थित सीतापुरा के स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में अध्ययनरत बालिका तृप्ति सेन को विद्यालय परिसर में उपस्थिति के दौरान स्ट्रीट डॉग्स द्वारा जानलेवा हमला करने की घटना अत्यधिक दुखद और निंदनीय है ।सेन समाज के भगवान स्वरूप मोरवाल,अमित सेन मोखमपुरा और रवि सेन ने बताया कि स्कूल स्टाफ की उपस्थिति में स्कूल परिसर में छात्रा तृप्ति सेन पर हुआ स्ट्रीट डॉग्स का हमला जानबूझकर जानलेवा हादसा करवाने के समान आपराधिक कृत्य है और इसकी निष्पक्षता से जांच होकर दोषियों पर कार्यवाही होनी चाहिए ।भाजपा नेता प्रकाश सिंह नेगी और नवीन खत्री ने बताया कि संयुक्त निदेशक ने कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में तुरंत जांच के आदेश जारी किए साथ ही कोटा संभाग में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने संबंधी निर्देश भी जारी किए।

किचन एवं अन्य व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

केन्द्रीय कारागृह का निरीक्षण करने पहुंचे कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया शुक्रवार को केन्द्रीय कारागृह कोटा का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने जेल अधीक्षक के कक्ष में जाकर विजिटर रजिस्टर में हस्ताक्षर किए और अपने सुझाव लिखे। उन्होंने जेल अधीक्षक से नई जेल के लिए जमीन आवंटन की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। जिला कलक्टर को केन्द्रीय कारागृह अधीक्षक श्री भैरूसिंह राठौड़ ने बताया कि कारागृह में अभी 1538 बंदी हैं। इनमें से 595 कठोर सजा प्राप्त, 178 साधारण सजा प्राप्त 2 विदेशी दण्डित बंदी एवं

762 विचाराधीन बंदी शामिल हैं। उन्होंने कारागृह में आयोजित सुधारात्मक कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेल आर्केस्ट्रा बैंड प्रशिक्षित बंदियों द्वारा संचालित किया जा रहा है। बंदियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से कम्प्यूटर सिखाया जाता है। वर्ष 2025 में 209 बंदियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक सोमवार को जेलवाणी के माध्यम से सामूहिक राष्ट्रगान कराया जाता है और बंदियों को मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धक जानकारी दी जाती है। बंदियों को रोजगार एवं कौशल विकास के तहत दरी निर्माण, सिलाई, होम केयर प्रोडक्ट निर्माण आदि सिखाया जा रहा है। उपधीक्षक जेल श्री रोहित कौशिक ने बताया कि कारागृह की लाइब्रेरी में इग्नू द्वारा किताबें उपलब्ध कराई गई हैं। इन किताबों को पढक़र प्रतिवर्ष 100 से अधिक बंदी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सर्टिफिकेट कोर्स, डिग्री एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इसके लिए इग्नू द्वारा फीस नहीं ली जाती है। इस वर्ष दसवीं एवं बाहरवीं बोर्ड परीक्षाओं में 36 बंदी शामिल हो रहे हैं। श्री समारिया ने जेल के किचन का भी निरीक्षण किया और बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन के बारे में जानकारी ली। जिला अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को सुबह के भोजन में चपाती, आलू पत्तागोभी की सब्जी एवं मसूर की दाल उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने बंदियों के मानसिक विकास के लिए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने, समय-समय पर जेल अधीक्षक द्वारा जेल मेन्यूअल के अनुसार निरीक्षण किए जाने, रिकॉर्ड सुव्यवस्थित रखने एवं बंदियों के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन की समय-समय पर चैकिंग करने के निर्देश दिए। श्री समारिया ने कारागृह की सफाई व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं पर संतुष्टि व्यक्त की। जिला कलक्टर को जेल के आर्केस्ट्रा बैंड के प्रशिक्षित बंदियों ने चि_ी आई है गाना सुनाया जिस पर उन्होंने तालियां बजाकर उनकी हौसला अफजाई की।

ओंकार पंचोली जूडो में भरतपुर संभाग के पहले ए ग्रेड नेशनल रेफरी बने

राजस्थान के पहले एनडीआईसी कोच भी बने पंचोली

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। इंदिरा नगर, हीरादास स्थित कराटियन्स स्पोर्ट्स एकेडमी के डायरेक्टर व जूडो कोच ओंकार पंचोली भरतपुर संभाग के पहले ए ग्रेड नेशनल रेफरी और शिवानी सिसोदिया बी ग्रेड नेशनल रेफरी बनी। जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कोलकाता में नेशनल रेफरी परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें भरतपुर के ओंकार पंचोली और शिवानी सिसोदिया ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया जिसमें ओंकार पंचोली को । ग्रेड व शिवानी सिसोदिया को ठ ग्रेड प्रदान की गई

राजस्थान राज्य जूडो संघ के महासचिव महिपाल ग्रेवाल ने भरतपुर जूडो को बधाई देते हुए बताया कि ओंकार पंचोली । ग्रेड नेशनल रेफरी बनने के साथ साथ राजस्थान के पहले नेशनल डिप्लोमा इन कोचिंग (छक्प्) पास करने वाले पहले जूडो कोच भी बन गए हैं। पंचोली ने गत माह गोवा में आयोजित हुए छक्प्ब् परीक्षा को पास कर राजस्थान के पहले छक्प्ब् जूडो कोच बनने का गौरव हासिल किया है। जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व महासचिव मनमोहन जायसवाल ने फोन कर ओंकार पंचोली को बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों को शार्टकट से बचाकर तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की जिम्मेदारी होगी। भरतपुर जिला जूडो संघ के संरक्षक व पूर्व प्रदेश मंत्री, भाजपा के गिरधारी तिवारी ने कहा कि ओंकार पंचोली ने जूडो कोचिंग में डिप्लोमा करके और । ग्रेड नेशनल रेफरी बनकर भरतपुर के जूडो खिलाड़ियों के लिए एक और अच्छी शुरुआत की है।

भैंसीना में होगी किसानों की बैठक

पंड़ित रामकिशन और इन्दल सिंह जाट लेगे भाग

18 को हलैना में होने बाले किसान सम्मेलन की तैयारी में होगी बैठक

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। इआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने तथा भरतपुर में प्रदूषण रहित उद्योग धन्धे लगाने और नौजवानों को रोजगार देने तथा किसानों की तमाम समस्याओं को लेकर कस्वा हलैना में 18 फरवरी को होने बाले किसान सम्मेलन की तैयारियों को लेकर कल सोमवार को प्रात: 11 बजे भुसावर तहसील के ग्राम भैसीना में किसानों की बैठक होगी । किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने बताया कि भैसीना में होने बाली बैठक में खदराया नैवाड़ी गाजीपुर , बिजबारी पथैना के बड़ी संख्या में किसान और नौजवान हिस्सा लेगे । इस बैठक में 18 फरबरी को हलैना में होने बाले किसान सम्मेलन में ज्यादा संख्या में किसानों के पहुंचने की रणनीति पर बिचार विमर्श होगा । इस बैठक में भरतपुर के पूर्व सांसद और शताब्दी पुरुष पंड़ित रामकिशन तथा किसान नेता इन्दल सिंह जाट भाग लेगे । किसान सम्मेलन की तैयारियों को लेकर अनेक किसान नेता और कार्यकत्ता गाँवों गाँवों में जनसम्पर्क कर रहे है । शुक्रवार को किसान नेता इन्दल सिंह श् हाकिम सिंह गुर्जर , रामेश्वर चौधरी जहानपुर , ओमप्रकाश चौधरी नगला हरसुख , बहादुर सिंह श् ने ग्राम जहानपुर , नगला हरसुख , इरनिया में जन सम्पर्क किया ।

महाराजा सूरजमल के 219 वीं जन्म जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। महाराजा सूरजमल के 219 वीं जन्म जयंती के अवसर पर सूरज सेना के अध्यक्ष अरविंद पाल सिंह ने ट्रैफिक चौराहे स्थित महाराजा सूरजमल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर सूरज सैनिकों ने पुष्प अर्पित किए। अध्यक्ष अरविंद पाल सिंह ने बताया कि महाराजा सूरजमल का जन्म 13 फरवरी 1707 को हुआ था वह भरतपुर के महान जाट योद्धा, सभी कॉमौ का नेतृत्व करने वाले कुशल राजनीतिज्ञ थे भरतपुर के अजेय लोहागढ़ किले का निर्माण उनकी दूर दृष्टि और शौर्य की गाथा कहता है। 1761 में आगरा के सिकंदरा व लाल किले पर अधिकार कर उन्होंने अपने साम्राज्य का विस्तार किया वे हिंदू धर्म रक्षक के साथ सम्मान व स्वाभिमान के रक्षक भी थे उनके शासन में भरतपुर राज्य दिल्ली की जमुना से चलकर धौलपुर चंबल तक फैल गया था।

भरतपुर रियासत की स्थापना से लेकर आजादी के इतिहास में भरतपुर अजेय रहा : झाबर सिंह खर्रा

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। लोहागढ़ विकास परिषद एवं जिला प्रशासन भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में मनाए जा रहे भरतपुर के 293 वें स्थापना दिवस के सात दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला का आरंभ जन महायज्ञ से हुआ। संयोजक स्थापना दिवस समारोह अनुराग गर्ग ने बताया कि किला स्थित गायत्री शक्तिपीठ में अध्यक्ष देवेंद्र चामड के नेतृत्व में पांच कुण्डीय यज्ञ में सैकड़ों नागरिकों ने आहुतियां देकर भरतपुर शहर की सुख - समृद्धि की कामना की। इसी श्रृंखला में फोर्टी यूथ विंग भरतपुर के सौजन्य से युवा शक्ति - उद्योग प्रगति का आयोजन भरतपुर एसडीएम भारती गुप्ता के मुख्य आतिथ्य,भरतपुर स्थापना दिवस समारोह के संयोजक अनुराग गर्ग की अध्यक्षता एवं एमएसजे कॉलेज प्राचार्या अंजु तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। फोर्टी यूथ विंग के जिलाध्यक्ष प्रखर वशिष्ठ जिला ने प्रखर वशिष्ठ ने 'हाउ टू बी अ सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर' विषय पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तथा मस्तान और फुरकान ब्रदर्स की कहानी के माध्यम से व्यवसाय के मूलभूत सिद्धांतों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर फोर्टी द्वारा दिए व्याख्यान की सराहना करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि निश्चय ही विद्यार्थियों के लिए लाभदायक आयोजन रहा है तथा निजी क्षेत्र के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। मुख्य अतिथि भारती गुप्ता ने उपस्थित युवाओं को सोचने और बड़ा करने को प्रेरित किया कि आज के युवा संभावनाओं के विपुल भंडार है आवश्यकता है तो इन्हें उचित मार्गदर्शन की।

लोहागढ़ विकास परिषद समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि इसी दिन सायंकाल में राज्य मंत्री नगर विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग,राजस्थान झाबर सिंह खर्रा के मुख्य आतिथ्य, डीग कुम्हेर, विधायक, डॉ शैलेश दिगम्बर सिंह की अध्यक्षता एवं कमर उल जमान चौधरी जिला कलक्टर भरतपुर के विशिष्ट आतिथ्य में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति के सौजन्य से विकलांग जनों को ट्राई साइकल, कैलीपर,श्रवण यंत्र आदि सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम संयोजक भाजपा नेता गिरधारी तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए भरतपुर के इतिहास पर भी संक्षिप्त प्रकाश डाला तत्पश्चात स्थापना दिवस कार्यक्रम संयोजक अनुराग गर्ग ने सात दिवसीय कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कर कार्यक्रमों में सहभागिता का आह्वान किया। पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने कहा कि महाराजा सूरजमल का हर परिस्थिति में साथ निभाने वाली महारानी किशोरी के योगदान को जानने की महती आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर शैलेश दिगम्बर सिंह ने कहा कि सूरजमल छत्तीस कोमौ में लोकप्रिय महाराजा थे,अप्रतिम योद्धा थे जिनको कदम कदम पर महारानी किशोरी का साथ मिला।

जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी ने कहा कि भरतपुर का इतिहास बहुत ही अनूठा रहा है और अपराजेय महाराजा के बारे में यहाँ का जन-मानस जागरूक हो इसलिए ये सात दिवसीय कार्यक्रम सभी आयु वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इन्होंने जन मानस से इन कार्यक्रमों में जुड़ने की गुजारिश की। शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखा कर झाबर सिंह खर्रा ने रवाना किया।

इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम कनिष्क कटारिया पै, एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा,एडीएम शहर राहुल सैनी, एसडीएम भारती गुप्ता,जिला रसद अधिकारी हरजीराम बुडरक, गिरधारी गुप्ता, सुनील प्रधान,त्रिलोकीनाथ शर्मा,जीवनलाल शर्मा,प्रोफेसर डॉ अशोक गुप्ता, डॉ यू एस जुरैल,संतोष खंडेलवाल, मनोज तिवारी,एडवोकेट सुदेश शर्मा,कपिल बंसल,प्रहलाद सिंह,राजेश कुमार आदि बड़ी संख्या में नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति रही।

शहर के बालिका विद्यालय के पास दर्दनाक सड़क हादसा ट्रक ने कुचला स्कूटी सवार सीसीटीवी में कैद हुई घटना

- ट्रक से आगे था स्कूटी सवार,पहले गिरा फिर आया ट्रक के नीचे
- शहर में नो एंट्री में दौड़ रहे माल से भरे ओवर लोड ट्रक,यातायात पुलिस नहीं दे रही ध्यान

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर के सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल के पास शुक्रवार को दिन में ठीक 12 बजे एक स्कूटी सवार के ऊपर ट्रक चढ़ गया। दुर्घटना में स्कूटी सवार के दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए। उसे आसपास के लोगों द्वारा ट्रक के नीचे से निकालकर तुरंत सामान्य अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार शहर के गुमट गेरत खेल निवासी 25 वर्षीय युवक अजय पुत्र किरोड़ी लाल कोली जो बीएससी का छात्र है अपने घर से बाजार सामान खरीदने आया था। जहां से वापस घर लौट रहा था। इस दौरान जैसे ही वह गर्ल्स स्कूल पर पहुचा तो सीसीटीवी फुटेज में ट्रक के आगे चलता दिख रहा है। अचानक से उसकी स्कूटी स्लिप हो गई जिसके पीछे चल रहा ट्रक एक साइड से उसके ऊपर चढ़ता चला गया। लोगों के चिल्लाने पर जब ट्रक रोका तो अजय पिछले वाले पहियों के नीचे फंसा था। जिसे जैसे-तैसे बाहर निकाला गया। इसके बाद तुरंत उसे सामान्य अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी प्राथमिक उपचार देकर

गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल धौलपुर भेजा है। गौरतलब है की शहर में सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक भारी वाहनों के लिए नो एंट्री रहती है। लेकिन यह केवल दिखावे के लिए है शहर में इसका कोई असर दिखाई नहीं देता है। माल से भरे लोडेड बड़े वाहन कभी भी शहर के बीच बाजार जाते हुए और माल की लोडिंग-अनलोडिंग करते हुए देखे जा सकते है। जिसको लेकर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। शहर वासियों का आरोप है कि बड़े वाहनों के चलते दुर्घटनाओं के साथ जाम की स्थिति भी पैदा होती है। वहीं सड़क के दोनों ठेल-ढकेल वालो ने कब्जा बना रखा है। इसी के चलते मार्ग सकरा हो गया है और दोपहिया वाहन चालक बड़े वाहनों से दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। दो दिन पूर्व भी एक 60 वर्षीय बुजुर्ग निजी बस का शिकार हुआ था। जिसके पैर पर पहिया चढ़ा था। जिसकी जयपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है की दुर्घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सेड मोहल्ला में बरसों से पानी भराव की समस्या,पालिका ने शुरू किया काम तो विरोध

सेंड मोहल्ले के नागरिको ने एसडीएम को दिया ज्ञापन,मामले की जांच और कार्यवाही की मांग

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर के वार्ड नंबर 40 के सेढ़ मोहल्ला विदरपुर रोड पर गंदे पानी भराव की समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है। उक्त समस्या को लेकर जब नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया तो नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी अमिताभ बच्चन के साथ टीम मौके पर पहुंची और पानी निकासी को लेकर ठेकेदार को कार्य दिया गया। जब ठेकेदार के कर्मचारियों ने नाली खुदाई का काम शुरू किया और कार्य रामखिलाड़ी कुशवाहा के मकान तक पहुंचा तो कुशवाहा समाज की महिलाएं और लोग एकत्रित हो गए।जिन्होंने नाली निर्माण कार्य को बंद करा दिया। इसके बाद ठेकेदार और कर्मचारी मौके से लौट गए। पिछले चार दिन से यह कार्य बंद पड़ा हुआ है। जिसको लेकर जाटव समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी को ज्ञापन सोपा है और नाली निर्माण कार्य जाने एवं गंदे पानी की निकासी की समस्या के समाधान की मांग की है। मामले को लेकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अमिताभ मीणा ने बताया की कीड़ी मोहल्ले में वार्ड नंबर 40 में यह सेढ़ मोहल्ला है। जिसमें जाटव समाज के लोग रहते हैं। यहां वर्षों से पानी भराव की समस्या बनी हुई है। जिसका कारण पानी निकासी का सही रास्ता नही है। उक्त कार्य को लेकर ठेका दिया था लेकिन जिस रास्ते से पानी की निकासी होगी। वहां कुछ कुशवाहा समाज के परिवारों के घर हैं। जिनका विरोध है।

कांग्रेस कमेटी की सचिव रोशनी शिवहरे ने बजट को बताया झुनझुनाः जिला धौलपुर और बाड़ी घोषणा नहीं होने पर आमजन निराश, पुल निर्माण और एडीजे कोर्ट की थी उम्मीद

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बुधवार को विधानसभा में अपने कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। इस दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने बजट पेश कर कई घोषणाएं कीं। धौलपुर जिले के बाड़ी में अस्पताल में स्टाफ की कमी, जर्जर सड़क समेत कई समस्याओं को लेकर लोगों को बजट से उम्मीद थीं। मगर क्षेत्र के लिए अलग से कोई घोषणा नहीं होने से लोगों को खासा निराशा हुई। स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि शहर के रिंग रोड पर चल रहे बड़ी रेल लाइन के काम के लिए पुल निर्माण की घोषणा होगी। इसके साथ ही, शहर की जर्जर सड़कों के सुधार और एडीजे कोर्ट में बढ़ते मामलों को देखते हुए दूसरे एडीजे कोर्ट के खुलने की भी आशा थी। अधिवक्ताओं ने इस संबंध में पहले भी ज्ञापन दिए थे।

बीजेपी नेताओं ने विकास घोषणाओं के लिए किया निवेदन-हालांकि, भाजपा के कुछ नेताओं ने इसे चहुमुखी विकास का बजट बताया। वहीं, बाडी रोशनी शिवहरे ने धौलपुर और बाड़ी के लिए विकास संबंधी घोषणाएं न होने पर चिंता व्यक्त की। साथ ही मुख्यमत्रा आर वित्त मत्रा स बाड़ा क लिए विकास स जुड़ी घोषणाएं करने का निवेदन किया।

कांग्रेस नेताओं ने बताया झुनझुना-कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा ने बजट को 'झुनझुना' बताते हुए आरोप लगाया कि यह दूसरी बार है जब बाड़ी के लिए कोई घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बाड़ी और धौलपुर जिले का विकास नहीं चाहती।

आक्रोशित राज्य कर्मचारियों ने बजट प्रतियों की जलाई होली

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के आह्वान पर बजट किया विरोध

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट में राज्य कर्मचारी ,संविदा एवं मानदेय कर्मियों के हितों की अनदेखी करने के विरोध में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के आह्वान पर जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा की अगुवाई में आक्रोशित कर्मचारियों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर बजट प्रतियों की होली जलाई ।महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि सरकार प्रदेश के कर्मचारियों को बजट घोषणा के नाम पर कमेटियों के जाल में फंसाना चाह रही है। राज्य सरकार द्वारा मांगे मानना तो दूर अपने 2 वर्षों के कार्यकाल में कर्मचारी महासंघ से एक भी बार द्विपक्षीय वार्ता तक नहीं की गई है । सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में कर्मचारी सड़कों पर नजर आना सरकार की पूरी तरह से विफलता साबित हो रही है । महासंघ के जिला मंत्री रविंद्र सिंह त्यागी ने कहा कि सरकार पिछली बजट घोषणा के बावजूद कर्मचारियों का कैडर पुनर्गठन नहीं कर रही है और इस बार तो पदोन्नति एवं वेतन विसंगति दूर करने के नाम पर समिति गठन की घोषणा कर कर्मचारियों की मांगों को हवा में लटकाने का काम कर रही है । प्रदेश के लाखों संविदा एवं मानदेय कार्मिकों के संबंध में बजट में एक भी शब्द नहीं बोलना सरकार की जबरदस्त असंवेदनशीलता है । अब भी सरकार महासंघ के सात संकल्पों पर द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला गया तो महासंघ इसी बजट सत्र के दौरान बड़ा आंदोलन करेगा ।कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर महासंघ से जुड़े संगठनों के पदाधिकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बजट की प्रतियां जलाई। इस अवसर पर राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष हरीसिंह गुर्जर, ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश मंत्री कृष्ण कुमार तोमर जिलाध्यक्ष श्रीभान सिंह गुर्जर, जिला मंत्री सुशील भारद्वाज , राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कौशलेंद्र वशिष्ठ,प्रदीप शर्मा, नीरज शर्मा, राजस्थान कानून गो संघ के हृदयेश पाठक , शिक्षा कर्मी पैरा टीचर संघ के पुरुषोत्तम शुक्ला रहीश फारूखी, आमोद श्रीवास्तव,भानु प्रताप परमार दिनेश शर्मा, दिलीप गोस्वामी,अरविंद रजक मनोज मीणा ,रजनीकांत शर्मा,मोनू रजक अमित गुर्जर सहित विभिन्न संगठनों के बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिले के विकास कार्यों की समीक्षा

संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया ने कसी कमर, अधिकारियों को दिए डेडलाइन के सख्त निर्देश

बढ़ता राजस्थान

धौलुपर (राजू शर्मा)। विकास की रफ्तार को नई धार देने और सरकारी योजनाओं के लाभ को अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ जिला कलेक्ट्रेट सभागार में संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आयुक्त ने स्पष्ट शब्दों में आह्वान किया कि शत-प्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अधिकारी आपसी समन्वय की दीवारें तोड़कर एक टीम की तरह कार्य करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाएं और बजट घोषणाएं केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर इनका प्रभाव दिखे, विशेषकर उन वंचित और कमजोर वर्गों के लिए जिन्हें मुख्यधारा में लाने का ध्येय सरकार ने रखा है।

बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त ने वर्ष 2024-25 और 2025-26 की बजट घोषणाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़कों और भवनों के निर्माण में तेजी लाने, जलदाय विभाग को जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के साथ ही गर्मी के मौसम में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने और विद्युत विभाग को जीएसएस परियोजनाओं को समय सीमा में जनहित में समर्पित करने के निर्देश दिए। एक विशेष विजन साझा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि किसी भी परियोजना के प्रस्ताव से पूर्व भूमि के स्वामित्व और एनओसी संबंधी पेचीदगियों को सुलझा लें, ताकि भविष्य में बजट वृद्धि और कानूनी अड़चनों के कारण सरकारी कोष पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े। विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि ढीले तारों को ठीक कर आपूर्ति सुचारू रखी जाए। स्वास्थ्य के मोर्चे पर सीएमएचओ को आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए बीमारियों के प्रति सतर्क रहने और लाडो योजना की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आशा एवं एएनएम की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने संभागीय आयुक्त को आश्वस्त किया कि दिए गए निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाएगी और राज उन्नति एजेंडे के तहत धौलपुर विकास के नए आयाम छुएगा। बैठक में उपखण्ड अधिकारी धौलपुर कर्मवीर सिंह, प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारी प्रतीक्षा नानासाहेब काले सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सुरों की धरोहर का नव अध्याय: ब्यावर में राज्य का पहला संगीत शोध केंद्र और वाद्य संग्रहालय उद्घाटित

समग्र शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और शोध की दिशा में ऐतिहासिक पहल

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। स. ध. राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को राजस्थान के उच्च शिक्षा संस्थानों का प्रथम संगीत शोध केंद्र एवं वाद्य संग्रहालय भव्य समारोह के साथ लोकार्पित हुआ। यह केंद्र भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं उच्च स्तरीय अनुसंधान को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है, जो राज्य के शैक्षिक परिदृश्य में नई दिशा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुभव, संवेदना और परंपरा के जीवंत स्पर्श से ही पूर्णता प्राप्त करती है। वाद्य संग्रहालय और संगीत शोध केंद्र इसी समग्र शिक्षा की अवधारणा को साकार करते हैं। उन्होंने कहा कि संग्रहालय विद्यार्थियों को वाद्यों को प्रत्यक्ष देखने, समझने और उनकी ध्वनियों को अनुभव करने का अवसर देगा, जिससे शिक्षण अधिक जीवंत, रोचक और प्रभावी बनेगा अति विशिष्ट अतिथि एवं भामाशाह प्रो. देवकीनंदन डाणी तथा सीए-सीएस ओम प्रकाश डाणी की प्रेरणा और संकल्पना से पूर्व में ब्यावर को राजस्थान का प्रथम संगीत रिकॉर्डिंग स्टूडियो प्राप्त हुआ था। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए दोनों भ्राताओं ने संगीत शोध केंद्र एवं वाद्य संग्रहालय को साकार रूप प्रदान किया। प्रो. डाणी ने विद्यार्थियों की साधना, संस्कार और सांगीतिक समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोडने का माध्यम बनेगा समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी सीए रमेश चंद्र गोयल एवं न्यासी श्याम सुंदर कामदार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. रेखा मंडोवरा ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह केंद्र केवल शैक्षणिक इकाई नहीं, बल्कि संस्कृति, शोध और सृजनात्मकता का सशक्त केंद्र है, जो विद्यार्थियों को समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में अग्रसर करेगा इस अवसर पर संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक शांति पाठ, मेधा सूक्त एवं घन पाठ की विशिष्ट सांगीतिक प्रस्तुति दी गई। साथ ही राजस्थान की लोक संगीत शैली में गायन एवं वादन ने वातावरण को सुरमय और भावपूर्ण बना दिया संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. दुष्यंत त्रिपाठी ने बताया कि नवस्थापित केंद्र में साउंड मिक्सिंग, विभिन्न रागों का गहन अध्ययन, प्लेगरिज्म जांच जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वाद्य संग्रहालय में अनेक दुर्लभ वाद्यों का अभूतपूर्व संग्रह विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन हरीश कुमार (आचार्य, हिंदी) एवं डॉ. श्वेता स्वामी ने किया। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिक, आमंत्रित अतिथि एवं महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे यह पहल न केवल ब्यावर, बल्कि संपूर्ण राजस्थान के उच्च शिक्षा क्षेत्र में संगीत अध्ययन और शोध के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

सूने घर की खामोशी में गूंजा वारदात का सन्नाटा

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। शहर के गढ़ी थोरियान हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर मुख्य द्वार का ताला तोडक़र घर में घुसे और सोफा रिपेयरिंग के गोदाम से हजारों रुपए का सामान पार कर लिया प्राप्त जानकारी के अनुसार, घर में रखे बैग से करीब 20 हजार रुपए की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण भी चुरा लिए गए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर बरामदे में खड़ी बाइक भी साथ ले गए, जिससे चोरी की घटना और भी गंभीर हो गई घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू कर दी है तथा अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है स्थानीय लोगों में घटना के बाद दहशत का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

निंबाहेड़ा युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई परिवार ने बोर्ड परीक्षार्थियों का किया सम्मान,तिलक लगाकर पेन वितरित किये

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। निंबाहेड़ा उपखण्ड विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा के शुभारंभ अवसर पर निंबाहेड़ा युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई परिवार द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुवार,12 फरवरी से प्रारंभ हुई बोर्ड परीक्षाओं के पहले दिन छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर,मुंह मीठा कराकर एवं पेन वितरित कर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर परीक्षार्थियों को आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन एवं धैर्य के साथ परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संदेश दिया। उपखंड क्षेत्र मे नगर एनएसयूआई परिवार की ओर से निंबाहेड़ा एन एस यू आई अध्यक्ष राहुल सेन, अनिल जाट, सम कित जैन,नवरत्न प्रजापत, राघव लड़ा,चीनीश वर्मा,अर्चना अहीर,सानिया एवं मुस्कान सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं तथा पेन वितरित किए।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह : कार्यक्रम के अंतर्गत गांव अरनिया पालीवाल में सरपंच गजेंद्र पालीवाल,राजेश चारण, पंकज धाकड़ एवं पुष्कर दास ने विद्यार्थियों को परीक्षा हेतु शुभकामनाएं प्रदान कीं। गांव लसड़ावन में समकित जैन एवं अनिल जाट ने विद्यालय पहुंचकर परीक्षार्थियों को पेन वितरित किए। इसी प्रकार गादोला गांव में सूरज मीणा एवं महेश मीणा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें परीक्षा सामग्री प्रदान की।

चंडालिया परिवार ने निभाई मानवता की मिसाल

डॉ. एस.के. जैन के निधन के बाद करवाया नेत्रदान

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। सेवा और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए शहर के चंडालिया परिवार ने स्वर्गीय डॉ. एस.के. जैन के असामयिक निधन के उपरांत नेत्रदान कर मानवता का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। दु:ख की इस घड़ी में भी परिवार ने परमार्थ की भावना को प्राथमिकता देते हुए नेत्रदान का संकल्प लिया और सहमति प्रदान की। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) सेवा कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाती रही है। संस्कार और सेवा के क्षेत्र में सक्रिय तेयुप के सहयोग से यह प्रेरणादायक कार्य संपन्न हुआ। लोकतंत्र सेनानी डॉ. सुरेंद्र कुमार जैन के निधन के पश्चात उनके पुत्र समर जैन और शेखर जैन सहित चंडालिया परिवार के सदस्यों ने नेत्रदान का निर्णय लिया।

इस पुण्य कार्य में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष अमित महता, मनीष चोरडिय़ा एवं अभातेयुप कार्यसमिति सदस्य अभिषेक आंचलिया का विशेष सहयोग और प्रेरणा रही। परिवार की ओर से पुत्री संगीता, दामाद सुनील पी. जैन, पुत्रवधू सीमा एवं सुमित्रा, पौत्र सार्थक, लक्षित, अक्षिल तथा पौत्री श्रद्धा की उपस्थिति में नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई। नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश भदादा के निर्देशन में रामस्नेही आई बैंक की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। चंडालिया परिवार के इस सराहनीय निर्णय की सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है। यह पहल समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संदेश देती है।

विकास अधिकारी रामबिलास मीणा की सख्ती से कोटड़ी बना सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध मॉडल ब्लॉक

बढ़ता राजस्थान

कोटड़ी (नि.स.)। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल तथा पर्यावरण एवं स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में पंचायत समिति कोटड़ी में सिंगल यूज़ प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन के विरुद्ध व्यापक, सघन एवं परिणामोन्मुखी अभियान चलाया जा रहा है। इस जनहितकारी अभियान को पंचायत समिति के विकास अधिकारी की दूरदर्शी सोच एवं विकास अधिकारी रामबिलास मीणा के प्रशासनिक नेतृत्व में प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा गया है।182 ग्राम पंचायतों में एकसाथ कार्रवाई, प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत समिति कोटड़ी की 33 ग्राम पंचायतों में प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण, परिवहन, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देने का संकल्प है। विकास अधिकारी ने बताया कि गांवों में प्लास्टिक पॉलिथीन के कारण नालियां जाम हो रही हैं, बरसात के समय जलभराव की स्थिति बनती है, गंदगी फैलती है और मवेशी इन पॉलिथीन को खाकर असमय मौत का शिकार हो रहे हैं। अभियान के दौरान पंचायत एवं प्रशासनिक टीमों द्वारा दुकानों, सब्जी ठेलों, फुटकर विक्रेताओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों की गहन जांच की जा रही है।जहां भी सिंगल यूज़ प्लास्टिक पाया जाता है, उसे मौके पर ही जप्त कर लिया जाता है।पहले समझाइश, फिर सीधी कार्रवाई, विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने बताया कि पहली बार पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति को समझाइश एवं सख्त चेतावनी दी जा रही है, लेकिन इसके बाद भी यदि नियमों का उल्लंघन किया गया तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पर्यावरण मंत्रालय के नियमों के तहत जुर्माना, पेनल्टी एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है, ताकि गांव स्वयं प्लास्टिक मुक्त बनें। जनभागीदारी को बताया अभियान की आत्मा विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने संयुक्त रूप से आमजन से अपील की कि वे कपड़े की थैलियों, जूट बैग,कागज की थैलियों का अधिक से अधिक उपयोग करें और सिंगल यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह त्यागें। इस अभियान के तहत 500 दुकानदारों, ठेला, सब्जी विक्रेता पर कार्यवाही करते हुए लगभग 250 किलो प्लास्टिक एवं अन्य प्लास्टिक निर्मित समान को जब्त किया गया।

साकेत साहित्य संस्थान राजसमंद के सदस्यों को जिला शिक्षाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजसमंद में साकेत साहित्य संस्थान के 12 सदस्यों को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वरलाल बाल्दी, साकेत साहित्य संस्थान राजसमंद अध्यक्ष वीणा वैष्णव एवं उपाध्यक्ष नारायण सिंह राव द्वारा संस्थान के नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजसमंद रामेश्वरलाल बाल्दी ने कहाकि वर्तमान परिस्थितियों में संस्कार,संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों का विकास व संरक्षण मात्र साहित्य एवं शिक्षा के माध्यम से संभव हैं।साथ ही कलम की ताकत को तलवार की ताकत से अधिक बताते हुवे साहित्य के माध्यम से समाज व भारतीय संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण समझने हेतु प्रेरित किया गया।उक्त कार्यक्रम में तहसील स्तर पर 500 से अधिक साहित्यनुरागियों की संख्या रही।जिस पर बसंत कुमार पालीवाल,विक्रम सिंह चौहान,धर्मेंद्र सालवी,मुकेश वैष्णव,मोहनलाल रैगर, शांतिलाल बुनकर,मदनलाल जोशी, सिद्धि जैन को सम्मानित किया गया। इस अवसर साकेत साहित्य संस्थान के सदस्यों की रचनाओं की समीक्षा करने पर साकेत साहित्य संस्थान राजसमंद की जिला मीडिया प्रभारी अन्नू राठौड़ (रूद्रांजलि),जिला आईटी सेल प्रभारी माधवलाल जटिया, मदनलाल जोशी,ममता खटीक को सम्मानित किया गया। साकेत साहित्य संस्थान राजसमंद की जिला मीडिया प्रभारी अन्नू राठौड़ (रूद्रांजलि) ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंत में साकेत साहित्य संस्थान अध्यक्ष वीणा वैष्णव द्वारा संस्थान के सम्मानित सदस्यों की कार्यशैली एवं साहित्य के प्रति समर्पण को लेकर प्रशंसा व्यक्त की गयी।इसके उपरांत साकेत साहित्य संस्थान उपाध्यक्ष नारायण सिंह राव द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर कपासन के हथियाना में हुआ हिंदू सम्मेलन का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत हथियाना मुख्यालय पर शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया।उक्त हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम का भारत माता की महाआरती एवं छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया।साथ ही सर्व हिंदू समाज के गणमान्यजनों द्वारा ग्यारह बार कार्यक्रम में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ चितौडग़ढ़ के जिला बौद्धिक प्रमुख जीवराज साहू द्वारा स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।साथ ही सफाई कार्मिक कीरत बारी का महाराणा उदयसिंह को सकुशल किले से बाहर भेजने में योगदान की व्याख्या की गयी।सांवलिया धाम मुंगाना के संत रामपाल महाराज द्वारा हिंदू समाज को संगठित रहने की महत्ती आवश्यकता बताई गयी। इधर विहिप जिला उपाध्यक्ष दिलीप बारेगामा (कपासन) ने बताया कि अंबिकाप्रसाद जायसवाल, भूपेश कुमार सोनी,प्रेमशंकर शर्मा,पंकज टेलर, बादशाह सिंह,मुकेश जागेटिया,मांगीलाल नायक, मुकेश सांखला,बबलू शर्मा,गौरव शर्मा,सांवरिया सेन, गोपाल टेलर,शांतिदास वैष्णव,नारायणलाल जाट, छीतरमल सेन,मि_दास,निलेश सांखला,नरेश शर्मा, रामचंद्र नायक,चंपालाल गर्ग,रामचंद्र गर्ग,सत्तू जाट,पुष्कर,देवीलाल आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विधानसभा में गूंजा भीलवाड़ा रोडवेज डिपो के आधुनिकीकरण का मुद्दा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। अशोक कुमार कोठारी ने राजस्थान विधानसभा में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की कार्यप्रणाली, बसों की उपलब्धता तथा भीलवाड़ा रोडवेज डिपो के आधुनिकीकरण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से संबंधित घोषणाओं और वर्तमान स्थिति पर विस्तृत जवाब मांगा। विधायक कोठारी ने सदन में कहा कि भीलवाड़ा से प्रतिदिन 25 हजार से अधिक यात्री यात्रा करते हैं, किंतु रोडवेज बसों में पर्याप्त सुविधाओं के अभाव में यात्रियों का रुझान निजी वीडियो कोच एवं वातानुकूलित बसों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बजट वर्ष 2024-25 में जिला मुख्यालय स्थित रोडवेज बस डिपो को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की घोषणा का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश के 10 डिपो चयनित किए गए थे, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी भीलवाड़ा बस स्टैंड में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने परिवहन मंत्री से पूछा कि अब तक आधुनिकीकरण के तहत क्या-क्या कार्य किए गए हैं और उनकी प्रगति क्या है। कोठारी ने मार्च 2020 में भीलवाड़ा रोडवेज डिपो में उपलब्ध बसों की संख्या तथा दिसंबर 2025 तक की स्थिति का वर्षवार और श्रेणीवार (लग्जरी व नॉन-लग्जरी) विवरण भी सदन की मेज पर रखने की मांग की। साथ ही वर्तमान में संचालित कुल बसों की संख्या की जानकारी भी मांगी। विधायक ने यह भी प्रश्न किया कि वर्ष 2019 से अब तक क्या सरकार ने अत्याधुनिक वॉल्वो एवं अन्य वातानुकूलित लग्जरी बसों की खरीद की है? यदि हां, तो कितनी बसें खरीदी गईं और किन-किन डिपो को आवंटित की गईं इसका पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वर्ष 2020-21 से 2025-26 तक प्रदेश में आमजन को सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उपलब्ध कराई गई नई बसों का जिलेवार ब्यौरा भी मांगा। कोठारी ने कहा कि औद्योगिक और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण भीलवाड़ा शहर में आधुनिक बस स्टैंड और पर्याप्त लग्जरी व सेमी-लग्जरी बसों की व्यवस्था समय की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग की, ताकि यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सेवा मिल सके।

वन भूमि से जुड़े गांवों की समस्याओं को लेकर विधायक कृपलानी ने विधानसभा में नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव रखा

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। विधानसभा क्षेत्र निम्बाहेड़ा के अंतर्गत वन भूमि पर बसे गांवों की मूलभूत समस्याओं को लेकर पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी ने विधानसभा में प्रक्रिया एवं कार्यसंचालन नियमों के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक कृपलानी ने कहा कि पंचायत समिति निम्बाहेड़ा के ग्राम परपडिया, ग्राम पंचायत निम्बोदा आजादी से पूर्व से ही वन भूमि पर बसा हुआ है। वन भूमि की स्थिति के कारण गांव आज तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने उक्त गांव को वन भूमि से आबादी भूमि में परिवर्तित करने की मांग करते हुए ग्रामीणों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में आबादी और खेतों तक जाने के मार्ग वन भूमि से होकर गुजरते हैं, जिससे आए दिन प्रशासनिक अड़चनें उत्पन्न होती हैं। इन मार्गों के स्थायी समाधान की मांग भी उन्होंने सदन में उठाई।

कृपलानी ने क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों से वन सुरक्षा समितियों के माध्यम से हो रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए ठेका पद्धति को बंद कर पुनः समितियों के माध्यम से कार्य करवाने की मांग की, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। छोटीसादड़ी क्षेत्र में चंडी माता एनीकट (ग्राम बरोल, ग्राम पंचायत अम्बावली) का परिधि क्षेत्र वन भूमि में आने के कारण इसकी ऊंचाई बढ़ाने में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग भी उन्होंने की। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पीलीखेड़ा में स्थित प्रमुख आस्था केंद्र बुलबुला महादेव मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर लगभग 200 मीटर सडक़ निर्माण पर वन विभाग द्वारा लगाई गई रोक को हटाने तथा आवश्यक एनओसी जारी करने की मांग की, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके।

विधायक कृपलानी ने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत पीलीखेड़ा (छोटीसादड़ी) के गांव कठेर, मामादेव और लाम्बा सागड़ा तथा आम्बापानी ग्राम पंचायत धोलापानी में वन विभाग की आपत्तियों के कारण आज तक बिजली कनेक्शन नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने विद्युत विभाग की एनओसी जारी कर ग्रामीणों को विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई।

अंत में उन्होंने विधानसभा क्षेत्र निम्बाहेड़ा के वन क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों की इन प्रमुख समस्याओं का शीघ्र समाधान कर राहत प्रदान करने का आग्रह किया।

देवस्थान विभाग रजि. नं.: 48

श्री घुश्मेश्वर द्वादशवां ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट शिवालय

शिवाड़, जिला-सवाई माधोपुर (राज.) फोन : 07462-256136, 256036

Website: www.ghushmeshwar.com E-mail: info@ghushmeshwar.com

महाशिवरात्रि महोत्सव 2026

दिनांक 14 फरवरी से 19 फरवरी 2026

ज्योतिर्लिंग घुश्मेश्वर शिव का
अवतार बारहवाँ कहलाये।
सरोवर तट एक शिवालय है
दक्षिण दिश शोभा पाये ॥
यहीं यह अवतार हुआ
घुश्मा सुत का कल्याण किया।
एक असुर ने की हत्या सुत की
शिव ने नवजीवन दान दिया ॥
अचल भक्ति लख भक्त की
हुए अति रुद्र प्रसन्न।
ज्ञानानन्द शिव अपने भक्त
को कर देते सम्पन्न ॥
जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी दिव्यानंद तीर्थ
ने किये द्वादश ज्योतिर्लिंग पूर्ण।
घुश्मेश्वर शिवाड़ राजस्थान चातुर्मास विधि
विधान अनुष्ठान ध्यान समाधि सम्पूर्ण ॥

स्वामी ज्ञानानन्द तीर्थ
जगद्गुरु शंकराचार्य
ज्योतिर्मठ अवान्तर भानपुरा पीठ
जिला-मंदसौर (म.प्र.)
JYOTIRMATH AVANTAR BHANPURA PEETH

प्रियमहानुभाव...

शिव पुराण में वर्णित अलौकिक पावन दिव्य धाम शिवालय शिवाड, श्वेतपाषाण युक्त देवगिरी के अंचल में स्थित शिव भक्ता पुश्मा ब्राह्मणी की पार्थिव शिवलिंग की अर्चना से प्रकट रमणीय प्रकृति की गोद में बसे मनोरम तीर्थ सील पर आयोजित 'महाशिवरात्रि महोत्सव-2026' के पावन पर्व पर आप सस्नेह सपरिवार सादर आमंत्रित है।

'घुश्मेश्वर हमारी अटूट आस्था और अराधना के हजार वर्ष घुश्मेश्वर ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती हैं। भारत के राजस्थान प्राप्त के वाशिष्ठी (बनास) नदी के समीप सवाई माधोपुर जिले के शिवालय (शिवाड़) नामक जगह पर स्थित 'घुश्मेश्वर भारत की आत्मा का शास्वत प्रस्तुतीकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोतय में भारत के बारह ज्योतिर्लिंग का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंग का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है। 'सौराष्ट्र सोमनाथं च व पूर्ण होता है घुश्मेशं तु शिवालये' यानि ज्योतिर्लिंग में प्रथम सोमनाथ है तो अन्तिम घुश्मेश्वर का उल्लेख आता है. शास्त्रों में भी कहा गया।

'घुश्मेश ज्योतिर्लिंगस्य दर्शने पूजने च हि। श्रूयतां पुण्यदां गाथां घुश्मेश्वर समन्विता, चास्ते शिवालय रम्ये घुश्मेश्वरः सदाशिक ।।

लिंगस्य दक्षिण भागे नाम्ना देवगिरिर्महान, चौत्तरे ह्यास्य लिंगस्य सरोवरं। उभयोर्मध्यमें चास्ते घुश्मेश्वर लिंगों महान, शिवालया, रव्ये सरसा शिवालयं वदन्ति वै।। अर्थात् घुश्मेश्वर शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएँ होती है वो पूरी होती है और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश यही घुश्मेश्वर मन्दिर जो लाखों लश्गों की आस्था, श्रद्धा व प्रार्थनाओं का केन्द्र था विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना जिनका उद्देश्य विध्वस था। वि.स. 1081 में महमूद गजनवी के सेनापति सालार मसूद ने मथुरा से सोमनाथ जाते वक्त इसी घुश्मेश्वर पर बढ़ा आक्रमण कर ध्वस्त कर दिया उस समय यहां के शासक गौड़वंश के चन्द्रसेन गौड़ इन्द्रसेन गौड़ व सेनापति रेवत राठौड़ से भयंकर युद्ध हुआ यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने लिए किया गया था, सालार मसूद ने ज्योतिर्लिंग की जलहरी मैं लूट के उद्देश्य से हाथ डाला तो अत्यंत तेजमय पुजं दिखाई दिया जिससे घबराकर वो सोमनाथ पर आक्रमण के लिए रवाना हो गया। गौड़ वंश के बलिदान के प्रतीक के रूप में मुख्य मन्दिर के प्रवेश द्वार पर आज भी गौड़ों की छतरी बनी हुई हैं। उनकी स्त्रियों ने सामुहिक रूप से जौहर किया जिसके स्तम्भ आज भी प्रांगण में मौजूद है। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिसंक और बर्बर प्रयास था।

फिर भी एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मन्दिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। दि.स. 1081 के बाद समय समय पर इस मन्दिर के पुनः निर्माण करने के प्रयास जारी है। मन्दिर का वर्तमान स्वरूप 1992 में नवीन आकार ले सका जब ट्रस्ट बनने के बाद इसके पीछे स्थित देवगिरी पर्वत पर कैलाश उद्यान एवं भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, श्री कृष्ण जी, हनुमान जी और ओम का निर्माण धवल पार्श्व में किया गया। संयोग से मन्दिर के पुनः निर्माण को 35 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। वर्तमान में भी इस मन्दिर के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है एवं राजस्थान सरकार की महती योजना धार्मिक पर्यटन में भाजपा सरकार ने 2024-25 के बजट में इसका कार्याकल्प करने का बीड़ा उठाया है। सम्पूर्ण भारत वर्ष के भामाशाहों के सहयोग से यह मन्दिर वर्तमान में राजस्थान के धार्मिक पर्यटन में एक महत्वपूर्ण आस्था का केन्द्र बना हुआ है। घुश्मेश्वर मन्दिर का आध्यत्मिक महत्व बहुत ज्यादा था. ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी।उस समय के विद्वानों ने इसकी यश गाथा को सदर कोनों तक फैलाया।

मुहुर्त मार्त्तण्ड नामक संस्कृत की पुस्तक में इसका यशोगान बहुत विस्तृत रूप से किया। नारायण पण्डित वाराणसी ने इसका चौदहवीं शताब्दी में विध्वंस की दो विस्मयकारी विभिषिकाओं के बाद किया। पाणिनी के आष्टांगिक योग पर आधारित इसका मुख्य शिखर मध्यकाल में आस्था का प्रमुख स्थान था। पदमाकर द्विवेदी व सुधाकर द्विवेदी द्वारा लिखित प्रकाशित पुस्तक में (1933) वेंकटेश्वर प्रेस, वाराणसी में मुहुर्त मार्तण्ड का हिन्दी रूपान्तरण कर गणक तरंगीणी के माध्यम से भी आम आदमी तक पहुंचायीं पिछले एक हजार साल से चली आ रही भारत माता व राजपूताना के लाखों संतानो के स्वाभिमान की गाथा है। यह हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा हैं। हर बार जब मन्दिर पर आक्रमण हुआ तब हमारे पास ऐसे महान पुरूष और मातृशक्ति भी थी जिन्होनें इसकी रक्षा के लिए बलिदान दिया और हर बाद पीढ़ी पर पीढ़ी हमारी महान सभ्यता के लोगो ने खुद को संभाला, मन्दिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवित किया। महमूद गजनवी लूटकर चला गया लेकिन घुश्मेश्वर के प्रति हमारी आस्था को हमसें छीन नहीं सका, नब्बे वर्षों तक खण्डहर में दबा रहा ज्योतिर्लिंग तब भी अदृश्य रूप में हमारी आस्था का केन्द्र किसी ना किसी माध्यम से बना रहा। विचित्र घटना तब घटती है जब वि.स. 1176 में नजदीक के रहने वाले किशना खाती की गाय अपने दूध से इस ज्योतिर्लिंग का अभिषेक करती थी, गाय के स्वामी को जब पता चला की मेरी गाय का दूध कोई भूत प्रेत या अन्य दूहता है तो वो गाय को पीछा करता हुआ आता है एवं एक चमत्कार देखता है उसकी गाय उस खण्डहर पर अपने दूध से अभिषेक कर रही होती है तो जिज्ञासा वश अपने बसेले से उस जगह पर कुठाराघात करता है तो रक्त फववारा छूट पड़ता है एवं आकाशवाणी होती हैं किशना तूने मेरे ऊपर प्रहार किया है डरकर किशना भागता है एवं कुछ दूर जाकर पाषाण का हो जाता है, गाय जब अपने घर पर जाती है तो गृह स्वामिनी जानकी की ओढनी अपने सींगों में लपेटकरकर घटना स्थल पर लाती हैं, तो जानकी को सारी घटना पता चलता है एवं आशुतोष शिव से क्षमा याचना करती है भगवान उस पर प्रसन्न होते हैं एवं उसके पति किशना को पुनः शरीर देते हैं, किशना एवं जानकी का पाषाण स्मारक आज भी परिसर में मौजूद है एवं सभी उसकी परिक्रमा लगाते हैं। तब इस घटना की जानकारी जगह जगह होती है एवं मण्डोर के राजा शिववीर सिंह चौहान ने इसके पुनः निर्माण का बीड़ा उठाया एवं मन्दिर के मुख्य शिखर पार्वती मन्दिर सहित अनेक मन्दिरों का पुनः निर्माण किया । नोचोकिया एवं गौडवंश के राजा चन्द्रसेन गौड पुत्र इन्द्रसेन गौड व सेनापति रेवत राठौड के बलिदान साथ ही सती हुई महिलाओं के स्तम्भ मन्दिर के पश्चिम दिशा में मुख्य द्वार के पास बनाए जो आज 1000 वर्ष बाद 2026 में भी घुश्मेश्वर मन्दिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते है, इस मन्दिर का जीणोद्वार एवं पुनः निर्माण चलता रहा अनेक मन्दिर परिसर में बनें। इस मन्दिर पर यों तो नेकों आक्रमण हुए परन्तु वि 1358 ई.सवी. सन् 1301 में अल्लाउद्दीन खिलजी द्वारा रणथम्भौर पर आक्रमण हुए परन्तु वि.स. 1358 ई.सवी सन् 1301 में अल्लाउद्दीन खिलजी द्वारा रणथम्भौर पर आक्रमण करने जाने के समय पुनः इस मन्दिर को ध्वस्त किया गया एवं कुछ शिखर व नाड़िया स्तम्भ एवं भगवान शिव की अनेक भाव भंगिमाओं के स्तम्भों अको तोड़ा। भगवान शिव द्वारा रोद्र रूप दिखाऐ जाने पर भगवान से क्षमा याचना कर रणथम्मैर के लिए रवाना हो गया महमूद गजनवी एवं अल्लाउद्दीन खिलजी द्वारा तोडे गये स्तम्भ शिलालेख एवं कालजयी कृत्तियाँ आज भी मन्दिर के संग्रहालय मैं रखी हुई हैं। इस मन्दिर पर सैकडो आक्रमणों के निशान है और अनेकों बार इनका पुणजार्गरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किये गए एवं हर बार अपने ही खण्डहरों से फिर खड़े हुए हैं। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है, इसको छोड़ देने का मतलब है मृत्यु। इससे विलग हो जाने पर विनाश ही होगा। इस मन्दिर के विस्तार के बारे में शिव पुराण की कोटि रुद्र संहिता अध्याय 32-33 की 'घुश्मेश्वर महात्म्य' नामक पुस्तक को पढ़ना अत्यन्त आवश्यक है जिसमें इसके एक योजन लंबे व एक योजन चौड़ा होने के बारे में लिखा है। पार्श्व में स्थित देवगिरी पर्वत के बारे में इस पुस्तक में विस्तार से उल्लेख हैं। जिसे श्वेत पाषाण के पत्थर का यह पर्वत तीन उत्तुंग शिखर इसकी शोभा को बढ़ाते हैं। इसके चार द्वार का उल्लेख भी इसी पुस्तक में मिलता है जिसमें पूर्वद्वार (सर्वसर्प) सारसोप, उत्तर में वृषभद्वार (बहङ) पश्चिम में नटेश्वर शिवलिंग व बद्रीनारायण का 1200 वर्ष पुराना सिद्ध पीठ है। इसे नाट्यशाला द्वार (नटवाड़ा) एवं दक्षिण में ईश्वरेश्वर नाम का शिवलिंग व ईश्वरद्वार है जिसे ईसरदा के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा प्राचीन वशिष्ठी (बनास) इसके दक्षिण पूर्व से प्रवाहित होती है जहाँ प्रसिद्ध विल्ब वन है जहाँ हजारो विल्ब के पेड अत्यन्त प्राचीन है पूर्वोत्तर कदम्ब वन (कैमला) है जहाँ हजारों कदम्ब के पेड़ हैं। उत्तर पश्चिम में सुरसा नामक सरोवर है जिससे सिरस नाम से जाना जाता है। पश्चिम् दक्षिण में मंदार नाम का वन (मण्डावर) स्थित हैं जहाँ से काला आर्क पीढ़ीयों से भगवान घुश्मेश्वर की सेवा में आता है इस त्रिपुरारी घुश्मेवर की गाथा गाते हैं। इस मन्दिर की जिर्णोद्धार की कथा आजादी के बाद विभिन्न दानदाताओं, भामाशाहों एवं यहां के शासकों द्वारा समय-समय पर की। घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग मन्दिर का कोई भी उल्लेख ठा. शिवप्रकाश सिंह एवं ठा. बजरंग सिंह तहसीलदार के द्वारा लिखित घुश्मेश्वर परिचय-1981, डॉ नन्दकिशोर गौत्तम की पुस्तक 'घुश्मेशं तु शिवालय एवं पं. पुरुषोत्तम शर्मा के 'कल्याण' वर्ष 1981 अप्रैल के अंक में प्रकाशित लेख घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं उसमें पं जानकीनाथ शर्मा सम्पादक कल्याण मैं प्रकाशित 'शिवाङ्गस्य घुश्मेश्वर' सत्य दिखता है के बिना अधूरा है। नेपाल के संत शंकरगिरी जी महाराज द्वारा लिखित एवं कथा लोक के प्रकाशक विश्वनाथ पाटिल के आलेख 'शिवावस्य घुश्मेश्वर' एवं घुश्मेश्वर'एवं अन्य विद्वानों, शंकराचार्यों द्वारा दी गई सम्मतियों इसके सांस्कृतिक पक्ष को बहुत आगे तक में जाती हैं. घुश्मेश्वर महात्म्य के बिना इसकी जानकारी अधूरी है। सदियों से यहां संतो का आना रहा है, जैन संत शिवसागर जी, शान्ति सागर जी से लेकर वर्धमान सागर जी तक यहां पधारे, आचार्य तुलसी महाश्रमण जी, रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर रामदयाल जी महाराज यहां पधारे। स्वामी कृष्णानन्द महाराज ने इसके बारे में विस्तार से बताया, क्रान्तिकारी संत रामानन्द सरस्वती, आचार्य पियूष, शंकराचार्य दित्यानन्द सरस्वती, ज्ञानानन्द सरस्वती (अवान्तर पीठ, भानपुरा), स्वामी प्रेम चैतन्य महाराज (मार्कण्डेय आश्रम, मांधाता, ओंकारेश्वर), जगद्गुरू सन्नीधाम अंगेरी पीठ, शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती ज्योर्तिमठ श्री सांब दीक्षित, स्वामी कान्ताचार्य जी बाराबंकी, आधुनिक राजस्थान के इतिहासकार डॉ. हीरालाल माहेश्वरी ने इसके बारे में विस्तार से प्रतिपादित किया। उस परम तत्व को नमन जिसके सांसारिक बन्धनों के बीज नष्ट हो चुके हैं, जिसमें राग और विकार शांत हो गए है। अगर हजार साल पहले खण्डित हुआ घुश्मेश्वर मन्दिर पूरे वैभव के साथ पुनः खड़ा हो रहा है तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकतें है। आइए हम इसी प्रेरणा के साथ आगे बढ़ते है घुश्मेश्वर भी सोमनाथ, महाकाल, विश्वनाथ के साथ समृद्ध भारतीय परम्पराओं को आगे बढ़ायें।

शनिवार, दिनांकः 14 फरवरी 2026

मेला शुभारंभ
दीप प्रज्जवलन
शनि प्रदोष व्रत पूजन (सम्पूर्ण दिवस)

सोमवार, दिनांकः 16 फरवरी 2026

शिवरात्रि पूजन (सम्पूर्ण दिवस)
राजस्थानी घूमर नृत्य कार्यक्रम (दोप. 3.00 बजे से)
टीना भारती एण्ड पार्टी, कोटा द्वारा
पारम्परिक सोमवारीय जागरण रात्रि 8.00 बजे से
(कालरा सत्संग भवन) भारती एण्ड पार्टी, कोटा द्वारा

रविवार, दिनांकः 15 फरवरी 2026

महाशिवरात्रि पूजन (सम्पूर्ण दिवस)
चार विशाल शोभायात्रा संगम चारों द्वारों
(सर्वसर्प, वृषभ, नाट्यशाला, ईश्वर द्वार) से
धर्मध्वजारोहण (मुख्यशिखर पर): दोपहर 2.00 बजे
कमानी मन्दिर समर्पण कार्यक्रमः सायं 4.00 बजे
विशाल भजन संध्या : सायं 8 बजे से (दशहरा मैदान)
चार प्रहर पूजनः सम्पूर्ण रात्रि

मंगलवार, दिनांकः 17 फरवरी 2026

महाशिवरात्रि मेला (सम्पूर्ण दिवस)
विशाल कवि सम्मेलन
सायं 7 बजे से (दशहरा मैदान)
ख्यातनाम राष्ट्रीय कवियों द्वारा प्रस्तुति

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्री शैले माल्लुकार्जुनम
उज्जयिन्यां महाकालं ओंकारं ममले रम् ।।
बैधनाथ चिताभूगौ डाकिन्यां भीमशंकरम् ।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने ।।
वाराणास्या तु विश्वेशं अम्बकं गोतमी तटे
हिमालयं तु केदारं, घुश्मेशं तु शिवालयेः ।।

नगरी शिवाड़ वर्तमान में प्रसिद्ध ग्राम
शिवालय पुर धाम चन्द्र चूड धारी को।
माधोपुर, सवाई, जिला राजस्थान बीच
वासिष्ठि समीप सिद्धपीठ है पुरारी को ।।
द्वादशवीं ज्योतिमूर्ति भाषत पुराण शिव तप
को प्रभाव प्रगत घुश्मा भक्त नारी को ।।
दर्श हेतु ताक्ये मन मुदित 'गुमान' भाखे ।
हरषि द्वार ताके घुश्मेश्वर त्रिपुरारी को ।।

चंचल काबरा लहरीरू साक्षात कोकिल कंठ और सुरों की साधिका

बहुत ही मधुर आवाज की धनी कोकिल कंठी श्रीमती चंचल काबरा लहरी जिन्होंने संगीत की शिक्षा मात्र 6 साल की उम्र में अपने पिता श्री उमाशंकर जी काबरा से प्राप्त की जो कि श्री राम महाविद्यालय डीसीएम कोटा में संगीत शिक्षक के पद पर कार्यरत थे और अभी सेवानिवृत हो चुके हैं। साथ ही चंचल ने राजस्थान विश्वविद्यालय से कंठ संगीत में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की और कई विश्वविख्यात प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिनमें प्रमुख है दर्शन संस्थान जयपुर की प्रतियोगिता। सन 2000 में चंचल को 'सुर नूर अवार्ड प्राप्त हुआ। साथ ही उन्होंने संगम कला ग्रुप की प्रतियोगिता जो की राष्ट्रीय स्तर की होती है उसमें प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस पुरस्कार को उन्हें बॉलीवुड और शास्त्रीय संगीत की जानिमानी हस्तीया पंडित राजन सजन मिश्रा, उदित नारायण जी और जसविंदर नरूला जी सहित बॉलीवुड के कलाकारों ने उन्हें अवार्ड प्रदान किया। चंचल जी टीवी के बहुत ही प्रसिद्ध और मेगा शो सारेगामा में 1995 में गई और वहां पर अपनी प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। उस समय उस कार्यक्रम को जाने-माने गायक सोनू निगम संचालित करते थे। चंचल ने ईटीवी राजस्थान, जी मरुधरा, सोनि टीवी के धारावाहिक महाराणा प्रताप जी टीवी के धारावाहिक बुद्धा और अब टीवी के फैमिली अंताक्षरी जैसे कार्यक्रम में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। चंचल आकाशवाणी मुंबई से उच्च श्रेणी की गायिका है और भजन और गजल अपने पति शंभू लहरी के साथ गायन करती हैं। अभी हाल ही में इनका यह नया गीत 'की है मोहब्बत जब से' रिलीज हुआ है जिसे भजन सम्राट पद्मश्री डॉक्टर पंडित अनूप जलोटा जी ने लता मंगेशकर जी के स्टूडियो में रिलीज किया और 'रेड रिबन कंपनी ने इसको सभी प्लेटफार्म पर रिलीज किया है। इस गीत को अंकिता खत्री 'नदान' जी ने लिखा है और अर्नब चटर्जी ने इसका संगीत संयोजन किया है। धुन चंचल शंभू के द्वारा बनाई गई है और गायन भी चंचल शंभू के द्वारा किया गया है। गाने को काफी पसंद किया जा रहा है। एक ही दिन में गाने के कम से कम 25,30000 व्यूज आ चुके हैं। आप अपना प्यार हमेशा बनाए रखें। इससे पहले भी चंचल और शंभू लहरी का एल्बम 'हरि नाम लौ लागी' जो कि स्थानीय कंपनी जेबीबी से रिलीज हुआ था जिसमें आठ भजन थे उसे भी लोगों ने काफी पसंद किया।

शंभू लहरी संगीत साधना और सफलता का सफर

बचपन से अनूप जलोटा जी के भजन सुनकर के और उनके द्वारा गाई गई बीच-बीच में सरगम को उन्हीं की तरह गाने का प्रयास करने की कोशिश में शंभू लहरी में भजन गायकी की तरफ रुझान बढ़ा और एक दिन लता जी का एक इंटरव्यू सुनकर के जिसमें लता जी ने कहा था कि बिना घर छोड़े किसी को भी सफलता नहीं मिल सकती है। यह सुनकर के शंभू लहरी मुंबई की यात्रा की तरफ निकल पड़े और 17 साल की अल्पायु में ही गृह त्याग करके मुंबई जैसे महानगर में अपने भविषा की तलाश करने के लिए निकल गए। वहां जाकर के सौभाग्य से उनकी मुलाकात भजन सम्राट अनूप जलोटा जी से हुई, और अनूप जी ने उनको 'देवघर स्कूल ऑफ इंडियन म्यूजिक ओपेरा हाउस में सीखने और जब वह मुंबई में रहते हैं तो उनके पास जाकर के सीखने के लिए कहा। वहीं से शंभू लहरी का संगीत का सफर शुरु हुआ। और मुंबई में सीखते सीखते एक बार अचानक से उन्होंने ध्रुपद सम्राट स्वर्गीय पंडित 'विदुर मल्लिक जी' के बारे में सुना, और वृंदावन में उनके पास संगीत सीखने पहुंच गए। वहां जा कर के उन्होंने पंडित जी से लगभग पांच छः वर्षों तक ध्रुपद गायकी की शिक्षा ग्रहण की और उसके पश्चात जयपुर आए। जयपुर में 2003 में सुर संगम प्रतियोगिता में उन्होंने भाग लिया और 'सुरश्री' का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता से शंभू लहरी को एक अलग पहचान मिली और लोग उनको जानने लगे, साथ ही साथ वीणा कैसेट के चेयरमैन श्रीमान 'के. सी. मालू' जी ने उन्हें विवाह गीत सम्मेलन, और हरी जस भाग 2 जैसे एल्बम में गाने का मौका दिया। उसके बाद शंभू लहरी मुंबई पहुंच गए और मुंबई में जाकर के अनूप जी से विधिवत संगीत की शिक्षा ले रहे हैं। वहां उन्होंने जी ZEE MARUDHARA के शो में भाग लिया, और SHUBH TV में भी उन्होंने भजन गाये हैं। साथ ही साथ SAB टीवी का एक कार्यक्रम 'फैमिली अंताक्षरी बहुत ही प्रसिद्ध हुआ। इसमें ईन्होंने परिवार सहित विजेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनके द्वारा संगीतबद्ध किए गए 3 भजन ZEE MUSIC के लिये जानी-मानी गायिका मधुश्री जिन्होंने 'कान्हा सो जा जरा यह गीत बाहुबली भाग 2' फिल्म के ले गया है उन्होंने गाया है तथा जसविंदर सिंह जाने माने गजल गायक है उन्होंने भी उनके दो पद गाय है। शंभू लहरी और चंचल काबरा लहरी ने सुरश्री शंभू चंचल के नाम से भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा जी के लिये चार भजन कंपोज किए है जिन्हें जाने माने 'कवि नारायण अग्रवाल जी ने लिखा है और साथ ही साथ टिप्स कंपनी के लिए 10 देवी के मंत्र रिकॉर्ड किए हैं जो शीघ्र ही रिलीज होने वाले हैं। शंभू लहरी ने 'गौहर जान एक नाटक है जिसे जानी-मानी अभिनेत्री लिलेट दुबे ने डायरेक्ट किया है और इसका संगीत शंभू लहरी के द्वारा ही निर्देशित किया गया है। शंभू लहरी वर्तमान में केंद्रीय विद्यालय संगतन के संरक्षक के रूप में कार्यरत है और मुंबई में निवास कर रहे हैं समय-समय पर वह अनूप जलोटा जी से संगीत की बारीकिया सीखते रहते हैं। शंभू लहरी मुंबई आकाशवाणी से (B-High) बी- हाई श्रेणी के कलाकार है और अकादमी योग्यता में आपने संगीत में एम फिल, त्रष्ट नेट तथा संगीत के साथ-साथ आप हिंदी और अंग्रेजी में भी स्नातकोत्तर (M.A.) की उपाधि धारक है साथ ही साथ आपने अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई से 'संगीत अलंकार तथा भातखंडे संगीत विद्यापीठ लखनऊ से 'संगीत निपुण की उपाधि भी प्राप्त की है और शिक्षक की योग्यता स्वरूप आपने B-Ed की उपाधि धारण की है।

आमंत्रित कविगण

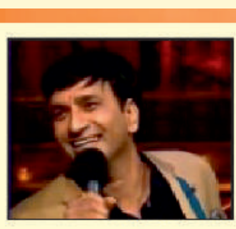

मुन्ना बैट्री
टीवी हास्य कलाकार

गोविन्द भारद्वाज
सूत्रधार एवं संयोजक-जयपुर

दीपा सैनी
जयपुर

भूपेन्द्र राठौड़
वीर रस कवि, कोटा

अमित आजाद
वीर रस

डॉ. भगवान मकरन्द
हास्य कवि, कामा

नानक चंद
नवीन हास्य कवि, अलवर

अखिलेश अखिल
राजस्थानी गीत

ममता मंजूला
टोंक

निवेदक : समस्त सदस्यगण श्री घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट शिवालय, शिवाड़

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खण्डवा, निवाई-टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/116 "प्रतीक्षा" सेक्टर-18, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक-तनुजा पठान*, प्रबंधक संपादक-झाबर सिंह धायल (मो. 9828467603, जयपुर), प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888)। फोन-0141-2796794, 2796795। ई-मेलः badhatarajasthan@yahoo.com। *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।